

पुतले जलाने की परंपरा का विस्तार... अंतर्मन के रावण को कब मारेंगे लोग?

भारत में हर साल दशहरे पर रावण के पुतले जलाने की परंपरा का विस्तार होता जा रहा है। रावण के साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के दहन का सिलसिला भी लगातार भव्य होता जा रहा है। कभी चंद सिक्कों के खर्च से शुरू होने वाली यह परंपरा आज बड़े-बड़े आयोजनों में लाखों रुपये के खर्च तक जा पहुंची है। मैदान सजते हैं, आतिशबाजी होती है, हजारों-लाखों लोग जुटते हैं और बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की विजय के उद्घोष के बीच रावण का पुतला धू-धूकर जल उठता है। लेकिन इस भव्य आयोजन के बीच एक सवाल अक्सर अनुत्तरित रह जाता है—आखिर अपने भीतर बैठे रावण को मारने का प्रयास कितने लोग करते हैं? भगवान श्रीराम के हाथों रावण का वध केवल एक राजा की पराजय या एक युद्ध की समाप्ति नहीं था। भारतीय जनमानस में यह अहंकार, अन्याय, अनैतिकता और अधर्म के अंत का प्रतीक है। इसीलिए दशहरा केवल उत्सव नहीं, आत्ममंथन का अवसर भी है। मगर विडंबना देखिए कि प्रतीकों के स्तर पर बुराई का अंत करने में उत्साह दिखाने वाला समाज अपने व्यवहार में व्याप्त बुराइयों को लेकर उतना ही उदासीन नजर आता है। क्या रावण को जलाने के बाद लोग अपने भीतर छिपे अहंकार,



प्रसंगवश
■ राजेश सिरोटिया

अंतर्मन में राम का जागरण कब होगा?

रावण का चरित्र हमें यह भी याद दिलाता है कि ज्ञान, शक्ति और सामर्थ्य होने भर से कोई व्यक्ति महान नहीं बन जाता। अहंकार और अनैतिकता इन सभी गुणों को विनाश का कारण बना सकते हैं। दूसरी ओर, राम का आदर्श मर्यादा, कर्तव्य, संयम और न्याय की कठिन राह पर चलने की प्रेरणा देता है। इसलिए असली दशहरा उस दिन होगा, जब कोई व्यक्ति अवसर मिलने के बावजूद बेईमानी करने से इनकार करेगा; जब कोई शक्तिशाली व्यक्ति कमजोर के अधिकारों की रक्षा करेगा; जब कोई नेता अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता देगा; और जब समाज किसी अन्याय को केवल इसलिए स्वीकार नहीं करेगा कि उससे उसे तत्काल कोई नुकसान नहीं हो रहा। हमें यह भी समझना होगा कि बुराई केवल किसी दूसरे व्यक्ति में मौजूद कोई दोष नहीं है। वह हमारे भीतर भी हो सकती है। दूसरों के अहंकार की आलोचना करते समय अपने अहंकार को पहचानना, दूसरों के छल पर सवाल उठाते हुए अपनी बेईमानी को स्वीकार करना और दूसरों से न्याय की अपेक्षा करते हुए स्वयं न्यायपूर्ण आचरण करना ही वास्तविक आत्ममंथन है।

दशहरे पर रावण के पुतले हर साल जलते रहें, रामलीलाएं होती रहें और हमारी सांस्कृतिक परंपराएं फलती-फूलती रहें—इसमें किसी को आपत्ति क्यों होगी? लेकिन इन सबके साथ एक संकल्प और जुड़ना चाहिए: अपने भीतर की बुराइयों को पहचानने और उन्हें समाप्त करने का संकल्प। क्योंकि मैदान में खड़ा रावण तो हर साल जल जाता है, लेकिन मन के भीतर बैठा रावण तभी मरेगा, जब हम उसे पहचानने और उससे लड़ने का साहस जुटाएंगे। सवाल फिर वही है— दशहरे पर रावण को जलाने के लिए उमड़ने वाली भीड़ अपने अंतर्मन के रावण को मारने के लिए कब आगे आएगी? हम केवल पुतले जलाकर विजय का उत्सव मनाते रहेंगे, या कभी अपने भीतर भी राम का जागरण करेंगे?

लोभ, क्रोध, छल, कपट और प्रतिशोध की प्रवृत्तियों को भी जलाने का संकल्प लेते हैं? क्या सत्ता, संपत्ति और प्रतिष्ठा की दौड़ में दूसरों का हक मारने वाले लोग अपने आचरण पर विचार करते हैं? क्या दूसरों को उपदेश देने वाले लोग अपने जीवन में उन आदर्शों को उतारने की कोशिश करते हैं, जिनका प्रतीक भगवान श्रीराम को माना जाता है? या फिर कुछ घंटों के उत्सव, आतिशबाजी और जयघोष के बाद लोग अपने भीतर बैठे रावण को और मजबूत करके घर लौट जाते हैं?

रावण के दस सिरों को बुराइयों के प्रतीक के रूप में देखने की परंपरा रही है। लेकिन आज के समाज में इन बुराइयों के रूप और भी जटिल हो गए हैं। भ्रष्टाचार, लालच, सामाजिक भेदभाव, महिलाओं के प्रति हिंसा, कमजोरों का शोषण, झूठ,

नफरत और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता का क्षरण—ये ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका सामना केवल प्रतीकात्मक आयोजनों से नहीं किया जा सकता। रावण का पुतला जलाने के लिए कुछ लोगों की मेहनत, आतिशबाजी और थोड़े समय की तैयारी पर्याप्त हो सकती है। लेकिन अपने भीतर के अहंकार को परास्त करने के लिए आत्मानुशासन चाहिए। बेईमानी छोड़ने के लिए नैतिक साहस चाहिए। दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए संवेदनशीलता चाहिए। और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के लिए उस सत्यनिष्ठा की जरूरत होती है, जिसकी सीख रामकथा देती है। यही वह कठिन लड़ाई है, जिससे बचने के लिए हम अक्सर प्रतीकों की आसान दुनिया में शरण ले लेते हैं।

राजनीति-सार्वजनिक जीवन के रावण

यह सवाल केवल आम लोगों से नहीं, बल्कि उन लोगों से भी पूछा जाना चाहिए जो समाज को दिशा देने का दावा करते हैं। राजनेता हों, अधिकारी हों, कारोबारी हों या सामाजिक नेतृत्व करने वाले लोग। क्या वे अपने भीतर झांकने के लिए तैयार हैं? एक ओर मंचों से सत्य, धर्म और नैतिकता की बातें होती हैं, दूसरी ओर सार्वजनिक जीवन में झूठे आशवासन, अवसरवाद, भ्रष्टाचार और प्रतिद्वंद्वियों के प्रति विद्वेष दिखाई देता है। दूसरों की गलतियों पर कठोर प्रहार करने वाले लोग अपनी बारी आने पर मौन क्यों हो जाते हैं? नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाले लोग अपने स्वार्थ के सामने उन्हीं आदर्शों को क्यों भूल जाते हैं? लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन

विरोधी को शत्रु मान लेना, समाज में नफरत फैलाना और अपने हितों के लिए सत्य को सुविधानुसार तोड़ना किस तरह की विजय का प्रतीक है? यदि दशहरे का संदेश हमें अपने आचरण की समीक्षा करने के लिए प्रेरित नहीं करता, तो फिर इन आयोजनों की चमक के पीछे हमारा वास्तविक उद्देश्य कहीं खो तो नहीं गया?

रावण दहन की परंपरा भारतीय सांस्कृतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। रामलीलाओं के माध्यम से पीढ़ियों तक रामकथा का प्रसार हुआ है। अलग-अलग क्षेत्रों में दशहरा अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। कहीं रावण दहन प्रमुख आकर्षण है, तो कहीं देवी की आराधना, लोकपरंपराएं और सांस्कृतिक यात्राएं उत्सव के केंद्र बनती हैं। समय के साथ इन आयोजनों का आकार बढ़ा है। बेहतर व्यवस्थाएं, विशाल मैदान, आकर्षक पुतले और आधुनिक तकनीक ने उत्सवों को नया स्वरूप दिया है। इसमें अपने आप में कोई बुराई नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब आयोजन का आकार बढ़ता जाता है, लेकिन उसके पीछे निहित संदेश हमारे जीवन में सिकुड़ता चला जाता है। यदि रावण दहन का आयोजन हमें अपने बच्चों को सत्य, मर्यादा, करुणा और न्याय का महत्व समझाने का अवसर देता है, तो उसका उद्देश्य सार्थक है। यदि यह हमें अपने व्यवहार की कमियों को पहचानने और उन्हें सुधारने की प्रेरणा देता है, तो इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। लेकिन यदि यह केवल भीड़ जुटाने, प्रदर्शन करने और आतिशबाजी तक सीमित रह जाए, तो हमें अपने उत्सव की आत्मा को फिर से पहचानने की जरूरत है।

न्यूज विंडो

शीतला माता मंदिर हादसे में मौत का आंकड़ा 16 पहुंचा

ग्वालियर। शीतला माता मंदिर दुर्घटना में गंभीर चोट लगने से घायल 78 वर्षीय मोतीलाल प्रजापति की प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान आज मौत हो गई। जिसके बाद मरने वालों की संख्या 16 हो गई है। बुजुर्ग ग्राम सातऊ गिर्द के रहने वाले थे और हादसे के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए लिंग अस्पताल में ले गए थे। अस्पताल में बुजुर्ग का इलाज चल रहा था। चोट लगने के कारण खून की नली में थक्का जम गया था। मोतीलाल प्रजापति को 2024 में हार्ट की बीमारी के कारण एक स्टेंट लगावा चुके थे।

झोटा हत्याकांड की जांच सीबीआई को सौंपेगी सरकार

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पंजाब दौरे से ठीक पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने आज एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। शाह आज ही पंजाब दौरे पर आ रहे हैं। उनके दौरे से पहले झोटा हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने का मुद्दा राज्य की राजनीति के केंद्र में आ गया है। झोटा के परिवार और प्रदर्शनकारी लगातार इसे मामले की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग कर रहे थे।

प्रदेश में आज ज्ञानेश कुमार के पुतले जलाएगी कांग्रेस

भोपाल। मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस अक्टूबर में आंदोलन और तेज करने जा रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने दो महीने के 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत प्रदेश, जिला और ब्लॉक इकाइयों के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। इसके तहत आज दशहरे के मौके पर एमपी के सभी जिलों में रावण की जगह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले जलाए जाएंगे।



राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का विजयादशमी उत्सव

भागवत बोले- देश का विकास नहीं पच रहा आसुरी ताकतें चाहती हैं रिजीम चेंज

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज देश और दुनिया में सक्रिय भारत-विरोधी ताकतों के खिलाफ खुला मोर्चा खोला। संघ प्रमुख ने बेहद कड़े शब्दों में आगाह किया कि मौजूदा नेतृत्व में भारत जिस तेजी से वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा है, वह कुछ विदेशी और 'आसुरी ताकतों' को पच नहीं रहा है। यही वजह है कि देश के अंदर सत्ता परिवर्तन (रिजीम चेंज) कराने के लिए सुनियोजित साजिशें रची जा रही हैं।

नागपुर के रंशिमबाग मैदान में आयोजित पारंपरिक विजयादशमी उत्सव को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने यूरोप के घटनाक्रमों खासकर फ्रांस और अल्बानिया में स्कूली सुधारों और युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि इसे पश्चिमी हितों के चरमे से समझना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि पश्चिम से एक ऐसा वैचारिक तूफान उठा है, जिसका एकमात्र मकसद स्थापित व्यवस्थाओं को चोट पहुंचाना और सांस्कृतिक व सामाजिक मूल्यों को तार-तार करना है। सरसंघचालक ने आरोप लगाया कि इन विध्वंसक गतिविधियों के पीछे सक्रिय शक्तियां पूरी दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ा चुकी हैं और अब उनका अगला और प्रमुख निशाना भारत है। उन्होंने समाज को सतर्क करते हुए कहा कि आधुनिकता और सुधार के नाम पर देश की सांस्कृतिक जड़ें और परंपराओं को खोखला करने की किसी भी चाल को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

भागवत ने कहा, 'पिछले दो-चार दिनों से आ रही खबरों पर ध्यान दें। दुनिया भर में क्या हो रहा है, उसे देखें। फ्रांस और अल्बानिया में क्या हो रहा है, बांग्लादेश में क्या हुआ, नेपाल में क्या हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाएं उन ताकतों की व्यापक कोशिशों का हिस्सा हैं, जो अपने खुद के हितों को साधना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'कहा जाता है कि सत्ता बदलने से हालात बदल जाएंगे,

टाइगर फायरिंग केस

शूटर रेहान के दो दोस्त पकड़ाए अभिनेता को मिली पुलिस सुरक्षा

सोनीपत। एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग करने वाले शूटर हरियाणा के रेहान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके दो दोस्तों समीर और बोनी को भी डिटेन कर लिया है। रेहान की मां शमशीदा ने कहा कि सोनीपत पुलिस दोनों को साथ ले गई है। पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। समीर, रेहान का पड़ोसी भी रहा है।

शमशीदा के मुताबिक, समीर और बोनी का नाम रेहान के साथ अगस्त 2026 में इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ तस्वीरें डालने के मामले में भी आया था। मां ने यह भी दावा किया कि किसी व्यक्ति ने रेहान को दो लाख रुपये कमाने का लालच दिया था। वह आदमी कौन है? इस सवाल पर मां ने कहा कि उसे नहीं पता।

भारत में बांग्लादेश-फ्रांस जैसे हालात बनाने की कोशिश छोटे स्वार्थ के लिए कुछ महत्वाकांक्षी नेता भी इसमें शामिल

ओटीटी के लिए नियम बनाने की वकालत

भागवत ने कहा आज लोगों को हर तरह की जानकारी मिल रही है, लेकिन सही-गलत समझे बिना उसका इस्तेमाल करने से नुकसान हो सकता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नियम होने चाहिए और सरकार-प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा AI का सही इस्तेमाल करना जरूरी है। संघ के इस कार्यक्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, झजराइल के काउंसल जनरल यानिव रेवाच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे।

लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। भारत में भी ऐसी ही कोशिशें की जा रही हैं। लेकिन, हाल के दशकों में देश की मजबूत नीतियों और नेतृत्व ने इसे आगे बढ़ने और लोगों को एकजुट करने में मदद की है।

भारत, हिंदू समाज और संघ को तोड़ने की योजनाओं का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि कुछ आसुरी ताकतें इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करती हैं और उनकी प्रकृति के कुछ लोग इसमें मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि



विजयदशमी कार्यक्रम में शस्त्र पूजन करते संघ प्रमुख मोहन भागवत ।

भागवत का संबोधन प्रेरणादायक: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहन भागवत के विजयादशमी संबोधन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भागवत ने राष्ट्रीय प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के चरित्र को मजबूत करने जैसे कई मुद्दों पर बात की। मोदी ने सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति स्वयंसेवकों की प्रतिबद्धता और 'पंच परिवर्तन' के जरिए सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने पर भी जोर दिया।

क्षुद्र सत्ता स्वार्थ और विवेकहीनता के कारण कुछ महत्वाकांक्षी नेता भी इसमें शामिल हो जाते हैं। भारत की परंपरा और विचारों में दुनिया की समस्याओं का समाधान देने की क्षमता है। विकास को लेकर उन्होंने नेपाल की बाढ़ का उदाहरण दिया और कहा कि विकास के लिए तकनीक को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन इससे प्रकृति को नुकसान नहीं होना चाहिए। विकास ऐसा हो, जिसमें इकोनॉमी के साथ इकोलॉजी और एथिक्स का भी ध्यान रखा जाए।

100% इयूटी-फ्री एक्सेस

भारत और न्यूजीलैंड के बीच लागू हुआ फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट

नई दिल्ली। भारत ने कई देशों के साथ फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है। इन देशों में न्यूजीलैंड भी शामिल है। दोनों देशों के बीच एफटीए आज से लागू हो गया है। दोनों देशों ने 2030 तक गुड्स और सर्विसेज में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए लगभग 18% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। इस एफटीए से भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में 100% इयूटी-फ्री एक्सेस मिलेगा, जिससे एमएसएमई, महिला उद्यमियों, किसानों और कारीगरों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

इन सेक्टर्स को भी होगा फायदा

कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते-चप्पल जैसे जूता श्रम वाले क्षेत्रों को 10% तक टैरिफ छूट होने से फायदा मिलने की उम्मीद है। इजीनियरिंग गुड्स, फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी, केमिकल्स और कृषि उत्पादों को भी बाजार तक बेहतर पहुंच मिलने की आस है।

इमिग्रेशन पॉलिसी पर अटक

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- पेरिस जल्द ही बन जाएगा मुस्लिम शहर

पेरिस। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि पेरिस जल्द मुस्लिम शहर बन जाएगा। उन्होंने फ्रांस में जारी हिंसा के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की इमिग्रेशन पॉलिसी को जिम्मेदार ठहराया। ट्रम्प लंबे समय से इमिग्रेशन पर सख्ती की वकालत करते रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने करीब 8 साल पहले मैक्रों को चेतावनी दी थी कि दूसरे देशों से आने वाले लोगों को बड़ी संख्या में फ्रांस में एंट्री देना गलती है। इसके बावजूद सरकार ने इसे रोकने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए।

फ्रांस में 9 फीसदी मुस्लिम आबादी है

प्यूरिसर्व सेंटर के मुताबिक, फ्रांस में करीब 46% लोग ईसाई हैं। करीब 43% लोग किसी धर्म को नहीं मानते। मुस्लिम आबादी करीब 9% है। हिंदू, बौद्ध और दूसरे धर्मों को मानने वाले लोगों की संख्या करीब 1% है। हालांकि, फ्रांस में जनगणना के दौरान लोगों से उनके धर्म के बारे में नियमित रूप से जानकारी नहीं ली जाती। इसलिए अलग-अलग सर्वे में ये आंकड़े कुछ अलग हो सकते हैं।



सीएम ने दशहरे पर इंदौर में किया शस्त्र पूजन

इंदौर। आज इंदौर में विजयदशमी के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डीआरपी लाइन में शस्त्र पूजन किया। कार्यक्रम में इंदौर पुलिस को होंडा कंपनी की ओर से CSR फंड के तहत 50 हार्डटेक बाइक सौंपी गईं। 350 CC की इन बाइक्स में पुलिस लाइट और अनाउंसमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएं होंगी। डीआरपी लाइन में हर साल दशहरे पर शस्त्र पूजन का कार्यक्रम होता है।

आधे प्रदेश में आज आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल। दशहरा पर आज प्रदेश के आधे हिस्से में आंधी-बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, नर्मदापुरम और सागर संभाग के 25 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। बारिश के अलर्ट को देखते हुए भोपाल में कलाकारों ने रावण के पुतलों को बरसाती से ढक दिया है। साल 2022 में बारिश के कारण पुतले नहीं जलाए गए थे और उन्हें जलाने के लिए कैरोसिन-पेट्रोल डालना पड़ा था।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, आलीराजपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, देवास, शाजापुर, अगर-मालवा, राजगढ़, रायसेन, सागर, बारिश होने का अनुमान है।



न्यूज विंडो

कर्ज के तनाव में फुटवियर व्यापारी ने जहर खाकर दे दी जान

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में भेल के गेट नंबर-5 के सामने शिव मंदिर के पास रविवार सुबह फुटवियर कारोबारी प्रदीप परिहार निवासी कल्पना नगर का शव मिला। एएसआई सत्येंद्र द्विवेदी के मुताबिक, प्रदीप रात में घर से बिना बताए निकले थे। रविवार सुबह उनका शव बराद के पेड़ के नीचे मिला। मौके से जहर की दो पुड़िया मिलीं, जिनमें एक खाली थी।

बदला समय: खुशीलाल अस्पताल की ओपीडी 8 की बजाय सुबह 9 बजे से

भोपाल। मौसम बदलने के साथ अस्पतालों की ओपीडी के समय में तब्दीली की गई है। सर्दियों को देखते हुए खुशीलाल आयुर्वेदिक अस्पताल की ओपीडी को एक घंटे आगे बढ़ाया है। अब ओपीडी सुबह 8 की बजाय 9 बजे खुलेगी, दोपहर 2 बजे तक इलाज मिलेगा। बदलाव यूनानी और होम्योपैथिक अस्पतालों में भी लागू किया है। लैब जांच, पंजीयन काउंटर और दवा वितरण केंद्र का समय भी सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

गुनगा में नकाबपोश बदमाशों बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर लूटा

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र के ग्राम जुजानी में दो नकाबपोश बदमाशों ने घर में अकेली रह रही 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला कलाबाई को धारदार हथियारों के दम पर बंधक बनाकर लूटपाट की। आरोपी अलमारी में रखे दो किलो चांदी के जेवरत और 30 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए। लूटे गए सामान की कीमत करीब दो लाख रुपए बताई गई है।

कमला नगर में शराबी बेटे ने फावड़े से पिता का सिर फोड़ा, केस दर्ज

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र की शबरी नगर बस्ती में शराब पीने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपने वृद्ध पिता के सिर पर फावड़ा मार दिया। पुलिस के मुताबिक, रघुनाथ चावला उर्फ गजराज सिंह बंजारा (65), निवासी शबरी नगर बस्ती, मजदूरी करते हैं और शराब पीने के आदी हैं। शनिवार सुबह इसी बात को लेकर उनके 19 वर्षीय बेटे शनि बंजारा से विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो शनि ने फावड़ा उठाकर पिता के सिर पर मार दिया।

5 करोड़ से 2.2 किलोमीटर बनी सड़क, स्ट्रीट लाइट से जगमगाई कोलार में कान्हा कुंज के लोगों को मिला फोरलेन, आवाजाही हो गई आसान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोलार में 5 करोड़ रुपए से बना 2.2 किलोमीटर लंबा फोरलेन कान्हा कुंज के लोगों को सौंप दिया गया। विधायक रामेश्वर शर्मा के लोकार्पण करते ही फोरलेन से लग्गी 15 कॉलोनी, स्टैंडियम, साप्ताहिक हाट बाजार में आना-जाना आसान हो गई। सड़क के बीचोबीच में स्ट्रीट लाइटें भी लगाई गई हैं। कोलार सिक्स लेन से कान्हाकुंज तक बनी यह सड़क क्षेत्र की 5 लाख आबादी के लिए आवागमन का नया विकल्प है। खास यह है कि इस मार्ग से सिक्स लेन को नेताजी सुभाषचंद्र बोस रिंग रोड से जोड़ा जाएगा। इससे कोलार के लोगों को शहर के दूसरे हिस्सों तक पहुंचने में आसानी होगी।



अब संकरी सड़क नहीं, ट्रैफिक का दबाव भी होगा कम

कान्हा कुंज मार्ग लंबे समय से क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण रहा है। बंजारी चौराहे से कान्हा कुंज की ओर जाने वाले इस मार्ग के आसपास मुखर्जी स्टैंडियम, ई-लाइब्रेरी, श्री रामलीला मैदान, बंजारी, सब्जी मंडी और एक दर्जन से अधिक कॉलोनियां हैं। इन स्थानों पर रोजाना

बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में संकरी और व्यस्त सड़क के कारण यातायात का दबाव बढ़ता था। स्थानीय निवासियों की मांग पर इस मार्ग को फोरलेन सीसी सड़क के रूप में विकसित किया गया है। इससे आवागमन सुविधाजनक हो सकेगा।

समस्या: सूखी खांसी, सांस फूलना, सीने में जकड़न और दमा की शिकायत

बदहाल सड़कों पर धूल का गुबार एलर्जी-फेफड़ों की बीमारियां बढ़ीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में सड़कों पर रोज उड़ता धूल का गुबार लोगों की सांसों अटका रहा है। धूल-धुएं के कारण फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों में तेजी से इजाफा हुआ है। जेपी से लेकर हमीदिया और टीबी अस्पताल के अलावा पल्मोनरी मेडिसिन सेंटर में रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डॉक्टरों के अनुसार बारिश थमते ही पिछले 3 मास महीने में जेपी चिकित्सालय, हमीर्मा इया, टीबी अस्पताल और गैस राहत के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग में फेफड़ा रोगियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। ओपीडी में रोजाना सैकड़ों मरीज सूखी खांसी, सांस फूलना, सीने में जकड़न और दमा की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। ईदगाह हिल्स स्थित अस्पताल में इस समस्या के 150 मरीज पहुंचे। जेपी में आंकड़ा 125 रहा तो हमीदिया में 75 एवं पल्मोनरी में 80 मरीजों ने इलाज करवाया।

डॉक्टरों का कहना है कि सड़कों पर उड़ रही धूल में मौजूद महीन कण सीधे फेफड़ों में जा रहे हैं, जिससे एलर्जी, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। जो लोग पहले से दमा के मरीज हैं, उनकी हालत और ज्यादा खराब हो रही है। डॉक्टरों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले दमा और सूखी खांसी के आ रहे हैं। मरीजों को लगातार सूखी खांसी आ रही है और दवाओं से भी तुरंत आराम नहीं मिल रहा।



रातों की नींद उड़ी, बच्चों-बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा असर

रात में खांसी बढ़ने से नींद भी नहीं आ रही। बच्चों और बुजुर्गों में इसका असर सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। धूल के कारण लोगों के फेफड़ों में सूजन आ रही है। लंबे समय तक धूल में रहने से फेफड़ों की क्षमता कम हो रही है, यह स्थिति धीरे-धीरे गंभीर रूप ले रही है। मेट्रो के काम के कारण जगह-जगह सड़कें खोदी गई हैं। सड़कों की खुदाई के बाद उन्हें ठीक से नहीं ढका गया है और न ही पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इससे सड़कों पर

धूल के गुबार उड़ रहे हैं। एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस, जेके रोड, रायसेन रोड, करोंद, भेल क्षेत्र जवाहर चौक व भद्रभदा रोड क्षेत्र में हालत सबसे ज्यादा खराब है। यहां से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। बिना मास्क निकलना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा दिवाली के महेनजर शहर में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों घरों की पुताई रंगाई एवं वाहनों के धुएं ने भी प्रदूषण को बढ़ाया गया है।

डॉक्टर बोले-मास्क लगाएं, संक्रमण रुकेगा

डॉक्टरों का कहना है कि सलाह दी है कि बिना मास्क के घर से बाहर नहीं निकलें। सुबह-सुबह जब धूल ज्यादा होती है तो मॉर्निंग वॉक से बचें। घरों में एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें और धूल से बचने के लिए खिड़की-दरवाजे बंद रखें। घरों में यदि रंगाई पुताई का काम करते हैं। तब भी मास्क लगाएं। यदि किसी एक व्यक्ति को सर्दी जुकाम खांसी की समस्या है तो उसे मास्क पहनने की सलाह दें। इससे संक्रमण से बचा जा सकता है। जेपी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संजय जैन का कहना है कि अस्पताल में फेफड़ा से संबंधित रोगियों की संख्या बढ़ी है। सड़कों पर धूल के कारण यह समस्या बन रही है। घरों में सफाई एवं पुताई करते समय भी लोगों को जागरूक रहना पड़ेगा।

ई-फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद जांच में निकली फर्जी

फर्जी एफडी से लिया 27.55 करोड़ का शराब ठेका, ठेकेदार पर केस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शराब दुकान का 27.55 करोड़ से अधिक का ठेका हासिल करने के लिए फर्जी ई-फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद जमा करने का मामला सामने आया है। ठेका आवंटन के नियमों के तहत जमा कराई गई करीब 2.75 करोड़ की सुरक्षा राशि की रसीद को बैंक ने फर्जी बताया है। आबकारी विभाग की शिकायत पर कोहेफिजा पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, पीएण्डटी चौराहे के पास स्थित शराब दुकान का ठेका लॉटरी से आवंटित किया गया था। ठेके वाले को कुल राशि का 10 प्रतिशत यानी 2.75 करोड़ रुपए सुरक्षा निधि के रूप में जमा करना था। हरियाणा के झज्जर

बैंक ने पकड़ा फर्जीवाड़ा

आबकारी विभाग ने सुरक्षा राशि से संबंधित दस्तावेजों की पुष्टि के लिए बैंक से संपर्क किया। कई पत्राचार के बाद 12 अक्टूबर 2026 को बैंक से संबंधित ई-फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद फर्जी होने की जानकारी दी गई। विभाग ने ग्वालियर मुख्यालय में जांच कराकर पुलिस में शिकायत की। सहायक आबकारी आयुक्त मुकेश खरे की शिकायत पर कोहेफिजा पुलिस ने जसवंत सिंह पर धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज किया।

जिले के निवासी जसवंत सिंह ने मई 2024 में ए स्मॉल फाइनेंस बैंक की ई-फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद पेश की थी।

संघ का पथ संचलन...गुप्ता बोले-व्यक्ति निर्माण से ही होगा राष्ट्र निर्माण

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ऐतिहासिक शताब्दी वर्ष एवं विजयादशमी उत्सव के अवसर पर श्री राम शाखा, कोरल वुड्स परिसर द्वारा भव्य पथ संचलन निकाला गया। पूर्ण गणवेश में घोष दल की सुमधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते स्वयंसेवक होंशंगाबाद मार्ग की सर्विस रोड से होते हुए कोरल वुड्स सोसाइटी पहुंचे। मार्ग में मातृशक्ति ने प्रत्येक ब्लॉक के सामने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के पूजन तथा शस्त्र-शास्त्र की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मुख्य वक्ता राजेंद्र गुप्ता, विद्युत विभाग

संकल्प लेने का अवसर

गुप्ता ने कहा कि शताब्दी वर्ष अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य के संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने स्वयंसेवकों से सेवा, संस्कार, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों के पालन के जरिए राष्ट्रसेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति आचरण और सामाजिक उत्तरदायित्व में भी दिखाई देनी चाहिए। कार्यक्रम में भास्कर बालपांडे, प्रफुल्ल दानी और डॉ. आनंद पराइकर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शहर में 200 से ज्यादा स्थानों पर रावण दहन

आज मनेगा अहंकार और अधर्म पर जीत का उत्सव जम्बूरी मैदान में 111 फीट का रावण जलेगा



भोपाल। दोपहर मेट्रो

विजयादशमी पर आज शहर में करीब छोटे-बड़े 200 स्थानों पर रावण दहन के आयोजन होंगे। इन कार्यक्रमों में आकर्षक आतिशबाजी, रामलीला, भजन संध्या और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहेंगी। जम्बूरी में मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा

भोजपाल दशहरा महोत्सव समिति की ओर से भेल के जम्बूरी मैदान में प्रदेश के सबसे बड़े 111 फीट ऊंचे रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा। यहां डिजिटल आतिशबाजी, एसएफएसएम, फायर शो और लाइट शो होंगे। आयोजन समिति अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया, पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण से बचाव को ध्यान में रखते हुए डिजिटल आतिशबाजी की व्यवस्था की गई है।

श्री हिंदू उत्सव समिति ने विजयादशमी चल समारोह निकाली। दोपहर 1 बजे बांके बिहारी मंदिर, मारवाड़ी रोड से समारोह परंपरागत मार्ग से होते हुए विजयभूमि छोला दशहरा मैदान पहुंचा। यहां 65 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया।

यहां भी जलेगी बुराई

विटठन मार्केट में अरेरा उत्सव समिति का आयोजन शाम 6.30 बजे से शुरू होगा। यहां 15 वर्षों से हर साल रावण के पुतले का कद एक फीट घटाया जा रहा है। शुरुआत में 65 फीट ऊंचे रावण का दहन किया गया था। अब घटकर 50 फीट रह गया। इस साल भी 50 फीट ऊंचे रावण का दहन होगा। समिति का मानना है कि रावण बुराई का प्रतीक है और पुतले का आकार कम करना समाज में बुराईयों को धीरे-धीरे समाप्त करने का संदेश देता है। कोलार के बंजारी मैदान में 105 फीट का रावण दहन किया जाएगा। इस अवसर पर सीएम डॉ. मोहन यादव समेत अन्य मुख्य अतिथि होंगे। इसके अलावा शहर में करीब 28 स्थानों पर रावण दहन के बड़े आयोजन होंगे।

श्री हिंदू उत्सव समिति ने विजयादशमी चल समारोह निकाली। दोपहर 1 बजे बांके बिहारी मंदिर, मारवाड़ी रोड से समारोह परंपरागत मार्ग से होते हुए विजयभूमि छोला दशहरा मैदान पहुंचा। यहां 65 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया।

अब तक केवल 197 संपत्तियों के हुए पंजीयन स्वामित्व योजना पर ब्रेक, ऐप-सर्वर ठप होने से अटकीं रजिस्ट्रियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी की पंचायतों में ग्रामीणों को भूमि का अधिकार देने के लिए काबिज प्लॉटों की रजिस्ट्री देने का काम कुछदिन पहले ही शुरू किया गया था, लेकिन ऐप व सर्वर ठप होने से रजिस्ट्री प्रक्रिया अटक गई है। यही कारण है कि अब तक रजिस्ट्री का आंकड़ा 200 पर भी नहीं हो पाया है और काम पूरी तरह से बंद होने से रजिस्ट्री का काम जल्द खत्म होना भी मुश्किल नजर आ रहा है। बता दें कि स्वामित्व योजना में पटवारियों को निष्पादक बनाया गया था, जिससे मप्र पटवारी संघ के नेतृत्व में पटवारियों ने विरोध शुरू कर दिया था। इसके बाद शासन व संघ के बीच चर्चा होने के बाद रजिस्ट्री का काम शुरू किया गया था। बताया जा रहा है कि जिले की कोलार,

गांवों में रुक गया काम

जिले में 42,086 रजिस्ट्री का लक्ष्य है। कोलार तहसील के 18 गांवों में 1870 प्लॉट, बैरसिया के 250 गांवों में 23,440 प्लॉट व हुजूर के 164 गांवों में 16,776 प्लॉटों की रजिस्ट्री होनी है। इनमें से अब तक 197 रजिस्ट्री ही हो सकी है। अपर कलेक्टर सुमित पांडे का कहना है कि स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का काम किया जा रहा है, जल्द ही तकनीकी की समस्या का समाधान करवा लिया जाएगा।

बैरसिया और हुजूर तहसीलों में स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री की जा रही है। इसके लिए 432 ग्राम पंचायतों में प्रक्रिया संचालित की जा रही है।

मेट्रो एंकर

अपने शहर का ऑटोमोबाइल बाजार आज आसमान पर... 10 हजार वाहनों की डिलीवरी से 314 करोड़ का कारोबार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आज विजयादशमी के अबूझ और महामुहूर्त पर भोपाल का ऑटोमोबाइल बाजार नई रफ्तार पकड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। नवरात्र के पहले दिन से शुरू हुआ खरीदारी का उत्साह आज अपने चरम पर पहुंचेगा। ऑटोमोबाइल डीलर्स के अनुसार आज दशहरे के शुभ अवसर पर शहरभर में करीब 11 हजार नए वाहनों (कार और दोपहिया) की डिलीवरी होने का अनुमान है। यदि बाजार का यह रुझान अनुमान के मुताबिक रहा, तो आज एक ही दिन में दोनों श्रेणियों को मिलाकर करीब 314 करोड़ रुपए का बड़ा कारोबार दर्ज होगा।



विशेष फूट में की बुकिंग, कारों से 250 करोड़ रुपए का व्यापार

सुबह से ही शहर के सभी प्रमुख शोरूम में ग्राहकों की भारी आवाजाही रहने वाली है। कई ग्राहकों ने नवरात्र के दौरान ही मिली विशेष फूट के कारण पसंदीदा वाहनों की प्री-बुकिंग करा ली थी। भोपाल ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष पाण्डेय की मानें तो आज 2500 कारों की डिलीवरी होगी। कांम्पैक्ट एसयूवी और प्रीमियम माडलों की बढ़ती मांग के चलते एक कार की औसत कीमत 10 लाख रुपए है। ऐसे में सिर्फ चार पहिया श्रेणी में ही 250 करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है।

खरीदारी का उत्साह चरम पर, 2500 नई कारों की डिलीवरी से घरों में खुशियां दोगुनी

अपने शहर का ऑटोमोबाइल बाजार आज आसमान पर... 10 हजार वाहनों की डिलीवरी से 314 करोड़ का कारोबार 64 करोड़ के टू-व्हीलर की बिक्री

एक बाइक शोरूम के रूपेश श्रीवास्तव ने बताया कि दोपहिया बाजार में आज लगभग 8000 बाइक और स्कूटरों की बिक्री का अनुमान है। औसतन 80 हजार रुपए प्रति वाहन की कीमत के हिसाब से यह कारोबार 64 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। रोजमर्रा के काम को देखते हुए अच्छी माइलेज लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। आसान ईएमआई विकल्पों के कारण युवाओं और कामकाजी वर्ग में दोपहिया वाहनों की मांग बनी हुई है।

आज की संभावित बिक्री

वाहन: अनुमानित बिक्री: औसत कीमत
फोर व्हीलर: 2500 : 10 लाख : 250 करोड़
टू-व्हीलर: 8000 : 80000 : 64 करोड़
कुल: 10500 : 314 करोड़ रुपए

सुबह से शोरूम पर लगी भीड़

सुबह से ही ऑटोमोबाइल शोरूम पर लोगों की कतार लगी। वे अपनी बुक कराई गाड़ियां खरीदने पहुंचे तो शोरूम संचालक भी तैयार थे। लोगों ने अपनी पसंदीदा फोर-व्हीलर और टू-व्हीलर की डिलीवरी लेने के बाद पूजा की।



शक्ति वंदन
सामर्थ्य संवर्धन, राष्ट्र रक्षा और
सनातन सांस्कृतिक चेतना का
उद्घोष

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

**राज्य स्तरीय
शस्त्र पूजन कार्यक्रम**
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
20 अक्टूबर 2026 | डीआरपी लाइन, इंदौर

परंपरा से राष्ट्र गौरव तक
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में
भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं की समृद्धि
और राष्ट्र की सुरक्षा का पूर्ण हो रहा संकल्प

आत्मनिर्भरता से सामरिक उत्कर्ष
आधुनिक सैन्य क्षमताओं, स्वदेशी शस्त्रों
और सैन्य तकनीक के क्षेत्र में सशक्त और
आत्मनिर्भर हो रहा भारत

वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता
देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक
हमारे वीर सैनिकों को इस विशेष दिन शत-शत नमन

आइए, शस्त्र पूजन के इस पावन अवसर पर अपनी गौरवशाली संस्कृति को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लें।
प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में दूरियां जितनी तेजी से बढ़ती हैं, उन्हें पाटने में उतना ही अधिक धैर्य और विवेक लगता है। भारत और कनाडा के रिश्ते इसकी मिसाल हैं। जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में आरोपों, अविश्वास और कूटनीतिक टकराव के बीच दोनों देशों के संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच संवाद ने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग की नई संभावनाएं जगाई हैं। लेकिन बातचीत की मेज पर लौटा विश्वास अभी अपनी मजिल तक नहीं पहुंचा है। सितंबर 2023 में हरदीप

सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा की ओर से भारतीय सरकारी एजेंटों के संभावित संबंधों के आरोप ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा झटका दिया था। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों पर चिंता जताई थी। इस टकराव ने स्पष्ट किया कि जब सुरक्षा संबंधी आशंकाएं आरोप-प्रत्यारोप में उलझती हैं, तब आर्थिक और मानवीय रिश्ते भी प्रभावित होते हैं। अब जरूरी है कि सुरक्षा के प्रश्नों पर प्रमाण आधारित जांच, खुफिया सूचनाओं का आदान-

प्रदान और कानूनसम्मत कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की वार्ता इस नई पहल का महत्वपूर्ण आधार है। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 70 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य साझा आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। भारत के औषधि, वस्त्र, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को कनाडा में अवसर मिल सकते हैं। वहीं कनाडा के ऊर्जा संसाधन, दालें और महत्वपूर्ण खनिज भारत की जरूरतें पूरी करने में सहायक हो सकते हैं। हालांकि, शुल्क,

कृषि और नियामकीय मतभेदों का समाधान किए बिना यह लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा। इस रिश्ते का सबसे संवेदनशील पक्ष दोनों देशों के नागरिक हैं। कनाडा में भारतीय विद्यार्थी, पेशेवर और उद्यमी अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं। वीजा संबंधी अनिश्चितता, आवास संकट और रोजगार की कठिनाइयां उनके भविष्य को प्रभावित करती हैं। इसलिए कूटनीतिक सुधार का लाभ आम लोगों तक पहुंचना चाहिए। रिश्तों की बहाली का अर्थ मतभेदों को भुलाना नहीं, बल्कि उन्हें सुलझाने का विवेक विकसित करना है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश



विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है।

भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पीड़ितों के लिए आश्वासन और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मर्यादा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी सांस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है।

विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निर्बल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित रहे। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना हो यही इस परंपरा का संदेश है। मर्यादा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है।

आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है। अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शांतिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का संबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी ढांचों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कौशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को साकार किया। यह शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए

उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए।

सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता है। हमारे घरों का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर नारियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है।

मध्यप्रदेश में सुशासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों को निर्भय वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे—यही



हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की वास्तविक कसौटी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सहज सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है।

विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तव्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को वज्रह्वार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति साझा समर्पण भारत को अजेय आत्मबल प्रदान करता है।

आइए, इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मर्यादा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करें। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं। शक्ति से सुरक्षा, सामर्थ्य से समृद्धि और सत्य से विजय—इसी संकल्प के साथ भारत का गौरवशाली भविष्य गढ़ें।

सभी प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'
स्तंभकार



भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां किसानों की आर्थिक स्थिति, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का सीधा संबंध कृषि उत्पादन से जुड़ा हुआ है। बदलते मौसम, बढ़ती खेती की लागत, सिंचाई के लिए बिजली और डीजल पर निर्भरता तथा कृषि उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाना किसानों के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे समय में सौर ऊर्जा और खेती का समन्वय किसानों की आय बढ़ाने, उत्पादन लागत घटाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

आज दुनिया स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत के लिए यह परिवर्तन केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने की संभावनाएं भी मौजूद हैं। खेतों में सौर पैनल लगाकर बिजली पैदा करना, सौर ऊर्जा से सिंचाई करना और कृषि भूमि का बेहतर उपयोग करना किसानों के लिए आय के नए अवसर पैदा कर सकता है। कृषि कार्यों में सिंचाई की महत्वपूर्ण भूमिका है। परंपरागत रूप से किसान बिजली या डीजल से चलने वाले पंपों पर निर्भर रहते हैं। डीजल की बढ़ती कीमतों और बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण खेती की लागत बढ़ जाती है। इसका सीधा प्रभाव किसानों के मुनाफे पर पड़ता है।

सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई पंप इस समस्या का व्यावहारिक समाधान बन सकते हैं। दिन के समय सूर्य की रोशनी से बिजली पैदा करके किसान अपने खेतों में सिंचाई कर सकते हैं। इससे डीजल पर होने वाला खर्च घट सकता है और बिजली की उपलब्धता को लेकर निर्भरता भी कम हो सकती है। यदि सौर पंपों के साथ जल संरक्षण की तकनीकों, जैसे ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर प्रणाली, को अपनाया जाए तो पानी और ऊर्जा दोनों की बचत संभव है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में इसका लाभ अधिक हो सकता है, जहां भूजल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

सौर ऊर्जा और कृषि के एकीकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू किसानों की अतिरिक्त आय की संभावना है। यदि किसान अपनी जरूरत से अधिक बिजली पैदा करते हैं और संबंधित योजना तथा स्थानीय बिजली वितरण कंपनी के नियम इसकी अनुमति देते हैं, तो अतिरिक्त बिजली ग्रिड को बेचकर आमदनी प्राप्त की जा सकती है। इस प्रकार खेत केवल खाद्यान्न उत्पादन का माध्यम नहीं रहेंगे, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी योगदान देंगे। इससे किसानों की आय के स्रोतों में विविधता आ सकती है और उन्हें केवल फसल की बिक्री पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

हालांकि, इसके लिए सौर संयंत्र लगाने की लागत, बैंक ऋण, सरकारी सहायता, बिजली खरीद की शर्तों और रखरखाव की व्यवस्था को स्पष्ट तथा किसान हितैषी बनाना आवश्यक है। छोटे और सीमांत किसानों को विशेष सहायता दिए बिना इस तकनीक का लाभ सभी तक पहुंचाना कठिन होगा।

सौर ऊर्जा और खेती को एक साथ आगे बढ़ाने की एक उपयोगी अवधारणा कृषि-सौर प्रणाली यानी एग्रीवोल्टाइक है। इसमें सौर पैनलों को इस तरह स्थापित किया जाता है कि उनके नीचे या आसपास उपयुक्त फसलों की खेती भी की जा सके।

इस व्यवस्था में पैनलों की ऊंचाई, उनके बीच की दूरी, फसल की प्रकृति और सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता का ध्यान रखना जरूरी है। कुछ फसलों को आंशिक छाया से लाभ मिल सकता है, जबकि अन्य फसलों की उपज पर्याप्त प्रकाश नहीं मिलने पर घट सकती है। इसलिए प्रत्येक क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी के अनुसार वैज्ञानिक अध्ययन करके ही ऐसी परियोजनाएं लागू की जानी चाहिए।

यदि यह व्यवस्था स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जाए तो एक ही भूमि से कृषि उत्पादन और ऊर्जा उत्पादन, दोनों प्राप्त किए जा सकते हैं। इससे भूमि की उपयोगिता बढ़ाने और किसानों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने में सहायता मिल सकती है।

सौर ऊर्जा आधारित कृषि व्यवस्था को व्यापक स्तर पर सफल बनाने के लिए सरकार, कृषि विश्वविद्यालयों, वैज्ञानिक संस्थानों, बिजली कंपनियों और किसान संगठनों को मिलकर काम करना होगा। केंद्र और राज्य सरकारों की सौर ऊर्जा और कृषि से संबंधित योजनाओं के बारे में किसानों को सही जानकारी उपलब्ध कराना जरूरी है। आवेदन प्रक्रिया सरल होनी चाहिए और अनुदान तथा ऋण



संबंधी नियम पारदर्शी होने चाहिए। किसानों को केवल उपकरण उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है; उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण, मरम्मत की सुविधा और नियमित मार्गदर्शन भी मिलना चाहिए।

इसके साथ ही, किसान उत्पादक संगठनों और सहकारी समितियों के माध्यम से सामुदायिक सौर परियोजनाएं विकसित की जा सकती हैं। जिन किसानों के पास पर्याप्त पूंजी या भूमि नहीं है, उनके

लिए साझा परियोजनाएं उपयोगी विकल्प बन सकती हैं। इससे निवेश का बोझ कम करने और तकनीक तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिल सकती है। डीजल आधारित कृषि पंपों और जीवाश्म ईंधन से पैदा होने वाली बिजली पर निर्भरता कम होने से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिल सकती है। सौर ऊर्जा का उपयोग जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में भी योगदान दे सकता है।

लेकिन स्वच्छ ऊर्जा का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब सौर पैनलों की गुणवत्ता, उनकी लंबी अवधि की उपयोगिता और खराब उपकरणों के सुरक्षित पुनर्चक्रण की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाए। इसी तरह भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सौर पंपों के साथ जल प्रबंधन की नीतियां लागू करना भी आवश्यक है। खेती और सौर ऊर्जा का संगम भारतीय कृषि को अधिक टिकाऊ, आधुनिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की क्षमता रखता है। इससे सिंचाई की लागत घटाने, अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार विकसित करने में सहायता मिल सकती है। हालांकि, यह परिवर्तन अपने आप नहीं आएगा। इसके लिए किसानों की आर्थिक क्षमता के अनुरूप योजनाएं, सरल वित्तीय सहायता, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और मजबूत बाजार व्यवस्था जरूरी हैं। छोटे तथा सीमांत किसानों को इस परिवर्तन के केंद्र में रखना होगा। भारत की कृषि का भविष्य ऐसी व्यवस्था में है, जहां किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। यदि सही नीतियां, आधुनिक तकनीक और किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से इस दिशा में काम किया जाता है, तो सौर ऊर्जा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकती है और किसानों की समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार बन सकती है।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

किडनी और दिल की सेहत एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी है। किडनी की कार्यक्षमता घटने पर शरीर में नमक और पानी जमा होने लगता है, जिससे रक्तचाप बढ़ सकता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वहीं, दिल की पंपिंग कमजोर होने से किडनी तक पर्याप्त खून नहीं पहुंच पाता। विशेषज्ञों के मुताबिक, लंबे समय तक किडनी की बीमारी से जूझ रहे लोगों को दिल की सेहत पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

हाई बीपी से बढ़ती है परेशानी: किडनी खून से अपशिष्ट पदार्थों और अतिरिक्त पानी को छानकर पेशाब के जरिए बाहर निकालती है। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर में सोडियम और पानी जमा होने लगते हैं। इससे रक्तचाप बढ़ सकता है। लंबे समय तक उच्च रक्तचाप रहने से दिल पर दबाव



बढ़ता है और किडनी की रक्त वाहिकाओं को भी नुकसान पहुंचता है। इस तरह दोनों अंगों की परेशानी एक-दूसरे को बढ़ा

सकती है। किडनी की बीमारी बढ़ने पर पैरों, टखनों और चेहरे पर सूजन आ सकती है। कम समय में वजन बढ़ना भी शरीर में अतिरिक्त पानी जमा होने का संकेत हो सकता है। गंभीर स्थिति में फेफड़ों में तरल जमा होने से सांस फूल सकती है। ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

किडनी की पुरानी बीमारी में उच्च रक्तचाप, रक्त वाहिकाओं को नुकसान और शरीर में तरल पदार्थों का बढ़ना दिल की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, हार्ट फेलियर में किडनी तक खून का प्रवाह कम होने से उसकी कार्यक्षमता बिगड़ सकती है। हालांकि, किडनी की बीमारी होने का अर्थ यह नहीं है कि हर मरीज को हार्ट अटैक होगा। लेकिन ऐसे मरीजों में हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

किडनी के मरीज नियमित रूप से रक्तचाप, रक्त शर्करा और किडनी की कार्यक्षमता की जांच कराएं। डॉक्टर की सलाह के अनुसार खून और पेशाब की जांच कराना भी जरूरी है। नमक का सेवन सीमित रखें और पानी की मात्रा डॉक्टर की सलाह के मुताबिक तय करें, क्योंकि सभी मरीजों के लिए पानी की जरूरत समान नहीं होती। दवाएं नियमित लें और बिना चिकित्सकीय सलाह के दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल न करें। सीने में दर्द, अचानक सांस फूलना, ठंडा पसीना या बेहोशी जैसे लक्षण हों तो तत्काल आपात चिकित्सा सहायता लें। समय पर जांच और उपचार से किडनी तथा दिल, दोनों को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

निशाना

रावण का कट खूब बढ़ा..!



घनश्याम मैथिल 'अमृत'

रावण का कट खूब बढ़ा, पाप का फूटा भरा घड़ा, लंका जल गई सोने की, रोए दशानन पड़ा-पड़ा, दैत्य नहीं दानव खुश हैं, रंग असत्य का खूब चढ़ा, बागडू खेत को खाए जव, व्यर्थ बिजूका रहा खड़ा, झुंठ हुआ है दस सिर का, सत्य सदा सिरमौर जड़ा, पाप था भारी डूब गया, धनुष राम का खूब लड़ा।

टेक्नो अपडेट

बिना मोबाइल नंबर व्हाट्सऐप पर होगी पहचान, यूजरनेम से भी कर सकेंगे चैट

व्हाट्सऐप एक नए फीचर की जांच कर रहा है, जिसके जरिए लोग किसी का मोबाइल नंबर जाने बिना उसके यूजरनेम से अकाउंट खोज सकेंगे। इससे उन लोगों से भी संपर्क करना आसान हो सकता है, जिनका नंबर फोन की संपर्क सूची में मौजूद नहीं है। हालांकि, केवल यूजरनेम जानना पर्याप्त नहीं होगा। कुछ मामलों में चैट शुरू करने के लिए संबंधित यूजर की विशेष 'यूजरनेम की' भी जरूरी होगी। कंपनी ने अभी इस सुविधा को शुरू करने की तारीख घोषित नहीं की है।

इस सुविधा में यूजर व्हाट्सऐप के सर्वर बार में संबंधित व्यक्ति का झण्डा मिलने पर उसके साथ चैट शुरू करने का विकल्प दिखाई दे सकता है। इस तरह किसी नए व्यक्ति से संपर्क करने के लिए उसका मोबाइल नंबर सेव करना जरूरी नहीं रहेगा। इस फीचर में यूजरनेम के साथ एक विशेष 'यूजरनेम की' का इस्तेमाल भी

किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अनजान लोग केवल यूजरनेम के आधार पर किसी से सीधे संपर्क न कर सकें। इससे मोबाइल नंबर साझा किए बिना बातचीत करने का विकल्प मिल सकता है। हालांकि, वास्तविक सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि सुविधा में अनुमति और गोपनीयता के नियम किस



तह लागू किए जाते हैं। **सरकार ने जताई चिंता:** यूजरनेम आधारित संपर्क सुविधा को लेकर भारत सरकार ने संभावित सुरक्षा जोखिमों पर चिंता जताई है। आशंका है कि मोबाइल नंबर जाने बिना लोगों तक पहुंचने की सुविधा का दुरुपयोग **सरकार ने जताई चिंता:** यूजरनेम आधारित संपर्क सुविधा को लेकर भारत सरकार ने संभावित सुरक्षा जोखिमों पर चिंता जताई है। आशंका है कि मोबाइल नंबर जाने बिना लोगों तक पहुंचने की सुविधा का दुरुपयोग

ब्रिटेन में रहने वाली 99 वर्षीय हेल्ला डफ़ी ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसे देखकर अच्छे-अच्छे रोमांच के शौकीन भी हैरान रह जाएं। उन्होंने उड़ते हुए विमान के पंख पर खुद को सुरक्षित बांधकर करीब आठ मिनट तक आसमान की सैर की। 16 अक्टूबर 2026 को 99 साल और 21 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर वह दुनिया की सबसे उम्रदराज महिला विंग वॉकर बन गईं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उनके नाम इस उपलब्धि को दर्ज किया है।

हेल्ला मूल रूप से जर्मनी की रहने वाली हैं और फिलहाल ब्रिटेन के विल्टशायर में एक केयर होम में रहती हैं। उन्होंने व्लॉस्टरशायर के सिरेनेसेस्टर स्थित आरएफसी रेंडकॉम्ब एयरफील्ड पर यह चुनौती पूरी की। इसके लिए उन्हें एक छोटे दो पंखों वाले विमान के ऊपरी पंख पर विशेष सुरक्षा उपकरणों की मदद से बांधा गया। विमान ने उड़ान भरी तो हेल्ला भी हवा में पहुंच गईं। रिकॉर्ड बनाने के लिए कम से कम पांच मिनट तक उड़ान में रहना जरूरी था, लेकिन वह करीब आठ मिनट तक आसमान में रही। **दूसरी बुजुर्ग महिला से मिली प्रेरणा:** हेल्ला ने 97 वर्षीय



बेट्टी ब्रोमेज को विंग वॉक करते देखा था। उनकी उपलब्धि से प्रेरित होकर हेल्ला के मन में भी यह चुनौती पूरी करने की इच्छा पैदा हुई। हालांकि, उनकी उड़ान पहले 23 सितंबर को प्रस्तावित थी, लेकिन इसे आगे बढ़ाना पड़ा। आखिरकार अक्टूबर में उन्होंने अपना सपना पूरा कर लिया। हेल्ला पहले नर्स के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्हें घुटनों में ऑस्टियोआर्थराइटिस की से अधिक की राशि जुटाई। यह सेवा आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों तक जल्द चिकित्सा सहायता पहुंचाने में मदद करती है। उनकी भातीजियां जैकी रोज और जूली प्रोस भी इस मौके पर मौजूद थीं। **100 साल की उम्र में फिर होगी चुनौती? :** दिलचस्प बात यह है कि हेल्ला से पहले महिला विंग वॉक का रिकॉर्ड बनाने वाली बेट्टी ब्रोमेज ने भी उन्हें बधाई दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 100 साल की होने पर वह दोबारा कोशिश करके रिकॉर्ड वापस लेने की उम्मीद करती हैं।

न्यूज विंडो

बालू महंगी पड़ी तो आधी रात जंगल में खुटाई, बिना नंबर का ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त



सतना। बालू की बढ़ती कीमतों के बीच वनभूमि से कथित अवैध उखनन का मामला सामने आया है। मझगवां रेंज के पिपरीटोला बीट स्थित कक्ष क्रमांक 870 में देर रात करीब दो बजे गश्त के दौरान वन विभाग ने बालू से भरी बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की। वनपरिक्षेत्राधिकारी रंजन सिंह परिहार के निर्देशन में की गई कार्रवाई के बाद वाहन को रेंज कार्यालय में खड़ा कराया गया। विभाग ने पीओआर दर्ज किया है। रेंजर के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली को राजसात करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग के मुताबिक, चालक अर्जुन ने बताया कि वह मकान बनवा रहा है और बालू महंगी होने के कारण जंगल की जमीन खोदकर रेत एकत्र कर रहा था। वनभूमि में खनन प्रतिबंधित है। विभाग मामले में आगे की कार्रवाई कर रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मझगवां रेंज की रेतीली वनभूमि में बारिश के बाद बालू सतह पर आ जाती है, जिसे कुछ लोग खोदकर इस्तेमाल करते हैं।

50 हजार श्रद्धालुओं की भीड़ से पहले सड़कें दुरुस्त होंगी या परेशानी बढ़ेगी



औबेदुल्लागंज। ऐतिहासिक दशहरा पर्व पर 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, लेकिन इससे पहले नगर की सड़क व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। सड़कों के किनारे फुटपाथ पर पड़ी रेत और सड़क की ओर झुकी झाड़ियां राहगीरों व दोपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी बन सकती हैं। दशहरे से पहले थाने में आयोजित शांति समिति की बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय रही। स्थानीय लोगों के बीच सवाल है कि पर्व के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए सड़क संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए क्या तैयारी की गई है। दशहरे पर हनुमान चोला धारण करने वाले श्रद्धालु नंगे पैर झाकियों के साथ नगर भ्रमण करेंगे। ऐसे में रेत और झाड़ियों से उन्हें असुविधा हो सकती है। आयोजन से पहले रेत हटाने, झाड़ियों की छंटाई और यातायात व्यवस्था सुधारने की जरूरत है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित तरीके से पर्व में शामिल हो सकें।

दशहरे में गूंजेगा ‘जय श्रीराम’, 51 फीट के रावण का होगा दहन



ओबेदुल्लागंज। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व विजयादशमी आज ओबेदुल्लागंज में भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। क्षेत्र के प्रसिद्ध दशहरा महोत्सव को लेकर नगर में उत्साह है। इस वर्ष 51 फीट ऊंचे रावण तथा 45-45 फीट के मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन किया जाएगा। हिंदू हिंदुत्व समिति के अध्यक्ष सोनू चौकसे ने बताया कि ओबेदुल्लागंज का दशहरा अपनी ऐतिहासिक पहचान और भव्य आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। मैदान में तीनों पुतले स्थापित कर दिए गए हैं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पुतला दहन से पहले भगवान श्रीराम की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ विधि-विधान से पूजन और आकर्षक आतिशबाजी भी होगी। दर्शकों की संभावित भीड़ को देखते हुए समिति ने सुरक्षा, प्रकाश और बैठक व्यवस्था के इंतजाम किए हैं। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर इस ऐतिहासिक उत्सव में शामिल होने की अपील की है।

मेट्रो एंकर 20 से 25 किलो वजनी और 8 से 9 फीट ऊंचे चोले के साथ निकलेगा चल समारोह

40 दिन की साधना के बाद आज धारण करेंगे महावीर का चोला

विजयादशमी : औबेदुल्लागंज में 1970 से निर्माई जा रही अनूठी परंपरा

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो विजयादशमी पर आज नगर में महावीरजी का चोला धारण करने की अनूठी परंपरा निर्माई जाएगी। वर्ष 1970 से चली आ रही इस परंपरा के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस बार पांच युवा सागर वासवानी, कपिल कोरेन, नरेंद्र नंदवंशी, शिवम राय और हेमंत गुप्ता महावीरजी का चोला धारण करेंगे। इसके लिए वे पिछले 40 दिनों से कठिन अभ्यास और नियमों का पालन कर रहे हैं। चोला धारण करने वाले युवाओं को 40 दिनों तक ब्रह्मचर्य का व्रत



रखना, सात्विक भोजन करना और नियमित पूजा-पाठ करना होता है। वे प्रतिदिन सुबह 5 बजे उठकर 10 से 12 किलोमीटर दौड़ लगाते हैं तथा करीब 20 किलो वजनी

हंसली पहनकर अभ्यास करते हैं। सुबह-शाम सात-सात बार हनुमान चालीसा का पाठ भी करते हैं। महावीरजी का चोला करीब 20 से 25 किलो वजनी और 8 से 9 फीट ऊंचा होता है। इसे शाम 7 बजे से रात करीब 1 बजे तक धारण किया जाता है। इस दौरान जयकारों के बीच चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से निकलेगा। माता रानी की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। महावीर सेवा दल के पूर्व चोलाधारी जितेंद्र सिंह चौहान के अनुसार, शरद पूर्णिमा पर पर्वी निकालकर चोलाधारियों का चयन किया जाता है। परंपरा के संस्थापक स्वर्गीय आत्माराम थे। उनके द्वारा शुरू की गई यह परंपरा आज नगर की पहचान बन चुकी है।

पर्वी से होता है चयन, 1970 में हुई थी शुरुआत औबेदुल्लागंज में महावीरजी का चोला धारण करने की परंपरा वर्ष 1970 में स्वर्गीय आत्माराम ने शुरू की थी। महावीर सेवा दल के सदस्य जितेंद्र सिंह चौहान के अनुसार, शरद पूर्णिमा पर पर्वियां डालकर चोलाधारियों के नाम निकाले जाते हैं। जिन युवाओं के नाम निकलते हैं, वे इसके बाद नियमों और साधना की तैयारी में जुट जाते हैं। 40 दिनों तक ब्रह्मचर्य, सात्विक भोजन, पूजा-पाठ और कठिन शारीरिक अभ्यास करना होता है। दशहरे पर निकलने वाला चल समारोह इस परंपरा का प्रमुख आकर्षण है, जिसे देखने आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

कपास-मिर्ची की आड़ में गांजे की खेती, 205 किलो पौधे और एक आरोपी धराया

82 हरे पौधे मिले, एक आरोपी फसल की आड़ लेकर फरार, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

भीकनगांव/खरगोन। दोपहर मेट्रो कपास और मिर्ची की फसल के बीच गांजे के पौधे उगाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम बैडछा के एक खेत में दबिश देकर गांजे के 82 हरे पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 204.88 किलोग्राम बताया गया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि गांव में दो व्यक्ति अपने खेतों में कपास और मिर्ची की फसल के बीच गांजे की खेती कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देने के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक बलराम सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई और बताए गए खेतों पर कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान कपास और मिर्ची के पौधों के बीच छोटे-बड़े गांजे के हरे पौधे मिले। पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद दोनों



व्यक्तियों ने भागने की कोशिश की। घेराबंदी कर पुलिस ने सिकदार सोलंकी (45), निवासी बैडछा को पकड़ लिया, जबकि दूसरा आरोपी कपास की फसल की आड़ लेकर भाग निकला।

पुलिस ने सिकदार सोलंकी और फरार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई एसडीओपी केतन अडलक के मार्गदर्शन में की गई।

मां के साथ बाजार गई 20 वर्षीय युवती को बाईक पर बैठाकर ले जाने का आरोप कल्दा बाजार से लापता महिला गुजरात में मिली अपहरण-दुष्कर्म के आरोप में तीन गिरफ्तार

पन्ना। दोपहर मेट्रो कल्दा बाजार से लापता हुई 20 वर्षीय महिला को सलेहा पुलिस ने गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर से बरामद कर लिया है। मामले में अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम सर्रा निवासी नवविवाहिता 21 सितंबर को अपनी मां के साथ कल्दा बाजार गई थी। वहां कुछ खाने की बात कहकर वह अलग हो गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर सलेहा थाने में गुमशुदगी के संबंध में मामला दर्ज कराया गया। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की मदद से महिला की तलाश की। 16 अक्टूबर को पुलिस टीम ने उसे मीनानगर, अंकलेश्वर, जिला भरूच (गुजरात) से बरामद किया। पुलिस के अनुसार, महिला ने अपने बयान में आरोप लगाया कि उसे बाजार से जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर सतना रेलवे स्टेशन ले जाया गया। वहां से ट्रेन के जरिए गुजरात पहुंचाया गया। महिला के बयान के आधार पर प्रकरण में अपहरण और दुष्कर्म सहित अन्य धाराएं बढ़ाई गईं। पन्ना जिला अस्पताल में उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने 18 अक्टूबर को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।



तकनीकी साक्ष्य, मुखबिरों से मिला सुराग महिला के बाजार से लापता होने के बाद परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। काफी प्रयासों के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला, जिसके बाद सलेहा थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से तलाश आगे बढ़ाई। इसी कड़ी में पुलिस टीम 16 अक्टूबर को गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर स्थित मीनानगर पहुंची, जहां से महिला को बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, महिला के बयान के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए अपहरण और दुष्कर्म सहित अन्य धाराएं जोड़ी गईं। इसके बाद आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की गई। महिला को पन्ना लाकर जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया और बाद में परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

थाने के सामने दुकान के तलघर में मिला दो दिन से लापता युवक का शव



मऊगंज। दोपहर मेट्रो मऊगंज थाने के सामने स्थित एक दुकान की इमारत के तलघर में सोमवार को 28 वर्षीय बिजेंद्र कोल का शव मिलने से सनसनी फैल गई। उत्तर प्रदेश के महोबा निवासी बिजेंद्र दो दिनों से लापता था। सड़क हादसे में घायल होने के बाद उसे सिविल अस्पताल मऊगंज पहुंचाया गया था, जहां मलहम-पट्टी के बाद वह लापता हो गया।

जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे दिधवार के बराती मोड़ के पास बिजेंद्र की बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। सूचना पर पहुंची

लौर पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजन तलाश करते हुए थाने पहुंचे, जहां उन्हें हादसे और अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिली। अस्पताल पहुंचने पर बिजेंद्र वहां नहीं मिला। बाद में तलघर में शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसकी पहचान की। मृतक के ससुर कमलेश कोल ने सिर के पीछे चोट के निशान होने की बात कही। उन्होंने मौत को लेकर आशंका जताई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मौत की वास्तविक वजह रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

इस सीजन में अब तक 14 मामले दर्ज, प्रशासन ने शुरू की सख्ती खेतों में आग लगाने वाले दो किसानों पर FIR

विदिशा। दोपहर मेट्रो

पराली (नरवाई) जलाने से पर्यावरण और खेतों की उर्वरता को होने वाले नुकसान के बावजूद किसान इससे बाज नहीं आ रहे हैं। खरीफ फसल की कटाई शुरू होते ही विदिशा जिले में खेतों में नरवाई जलाने की घटनाएं फिर सामने आने लगी हैं। कृषि विभाग ने हाल ही में पराली जलाने वाले दो किसानों के खिलाफ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

केंद्र सरकार के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार तक मध्यप्रदेश में पराली जलाने की 521 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 14 मामले विदिशा जिले के हैं। पिछले साल दिसंबर तक जिले में ऐसी घटनाओं का आंकड़ा चार हजार के पार पहुंच गया था और विदिशा देश में पहले स्थान पर रहा था।



आंकड़ों के अनुसार, 15 सितंबर से 19 अक्टूबर 2020 के बीच जिले में पराली जलाने की 60 घटनाएं दर्ज हुई थीं। मौजूदा अवधि में संख्या कम है, लेकिन पिछले साल का अनुभव प्रशासन की चिंता बढ़ा रहा है। शुरुआती दौर में घटनाओं पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आगे संख्या बढ़ने की आशंका है। जागरूकता के साथ कार्रवाई:

कृषि विभाग के उपसंचालक सचिन जैन के अनुसार, मैदानी अमला गांव-गांव चौपाल लगाकर किसानों को नरवाई जलाने के नुकसान और पराली प्रबंधन के विकल्पों की जानकारी दे रहा है। इसके लिए जागरूकता वीडियो भी तैयार किए गए हैं। प्रशासन इस बार शुरुआत से ही सख्ती बरतने की तैयारी में है।

मुखबिर की सूचना पर बनाई गई टीम, फरार आरोपी की तलाश

पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बैडछा में कपास और मिर्ची के खेतों के बीच गांजे के पौधे उगाए जा रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली। वहां गांजे के 82 हरे पौधे मिले, जिनका कुल वजन 204.88 किलोग्राम निकला। पुलिस ने पौधों को जब्त कर सिकदार सोलंकी को गिरफ्तार किया। उसका साथी पुलिस को देखकर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फरार आरोपी की तलाश और मामले की आगे की जांच जारी है।

श्योपुर में दर्दनाक सड़क हादसा दंगपुरा मोड़ पर बाइक पेड़ से टकराई, दो युवकों की मौत



श्योपुर। दोपहर मेट्रो जिले के विजयपुर क्षेत्र के दाउदपुर गांव के दो युवकों की सड़क हादसे में मौत होने से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे में दिलीप कुशवाह, पिता श्रीनिवास कुशवाह और अंकित कुशवाह, पिता भीमसेन कुशवाह की मौत की खबर से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अगर थाना क्षेत्र के दंगपुरा मोड़ पर मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने से बाइक पेड़ से टकरा गई थी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों को गंभीर चोटें आईं। गश्त कर रही डायल 112 की टीम के पायलट पंकज धाकड़ और आरक्षक मलखान सिंह ने मौके पर पहुंचकर दोनों को स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई। दोनों युवकों के शव विजयपुर स्थित पोस्टमार्टम हाउस में रखे गए हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में शोक का माहौल है। कम उम्र में दो युवकों की असमय मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है।

न्यूज विंडो

मंदसौर में गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर जीप-बाइक की टक्कर, पत्नी की मौत, पति घायल



गरोठ/मंदसौर। उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर ग्राम बरडिया अमरा के पास एक तेज रफ्तार और लापरवाह से चलाते हुए जीप चालक ने मोटर साइकल सवार पति-पत्नी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पति गंभीर घायल है। गरोठ थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार को राजेंद्र खाती निवासी कृषि उपज मंडी के पास गरोठ अपनी पत्नी श्वेता कुमारी के साथ मोटरसाइकल से शामगढ़ से गरोठ आ रहे थे। इसी दौरान गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर ग्राम बरडिया उमरा के पास पीछे से तेज गति से आ रही जीप (एमएच 01 डीबी 9097) के चालक ने बाइक को चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्वजन की रिपोर्ट पर लापरवाह जीप चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। आस-पास के लोगों ने दोनों घायलों को तुरंत गरोठ के सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद श्वेता कुमारी को मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र खाती को गंभीर चोट लगने पर प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। थाने पर स्वजन की रिपोर्ट पर लापरवाह जीप चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है।

दवा बाजार में श्वानों के हमले से गाय के बछड़े की मौत

मंदसौर। शहर में आवारा आतंक बन चुके श्वान लगातार हमले कर रहे हैं। सोमवार को दवा बाजार क्षेत्र में श्वानों के हमले से एक बछड़े की मौत हो गई। श्वानों का आतंक शहर के लगभग सभी क्षेत्रों में है, इसके बावजूद नगर पालिका कार्रवाई नहीं कर रही है। कुछ दिन पहले श्वानों के हमले से शामगढ़ में दो बच्चे घायल हो गए थे। सोमवार को दवा बाजार क्षेत्र में घुम रहे गाय के बछड़े पर आवारा श्वानो ने घेर लिया, हमला इस तरह किया गया की बछड़े की मौत हो गई। क्षेत्र के नागरिकों ने इस घटना पर आक्रोश जताया है, उनका कहना है की क्षेत्र में लंबे समय से श्वानों के झुंड घुम रहे हैं, कई बार शिकायत के बाद भी श्वानों को पकड़ा नहीं जा रहा है। इसी कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

भक्ति, गरबा और डांडिया के रंगों से सराबोर हुआ एमआईएमटी कॉलेज



नरसिंहपुर। शारदेय नवरात्र के पावन अवसर पर एमआईएमटी कॉलेज नरसिंहपुर में आयोजित दो दिवसीय ‘अंतर्नाद डांडिया नाइट 2.0’ गरबा महोत्सव उत्साह और उत्थलास के साथ सम्पन्न हुआ। आयोजन में नगर की मातृशक्ति और छात्र-छात्राओं ने गरबा-डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। पूरा परिसर भक्ति, संगीत और पारंपरिक संस्कृति के रंगों में रंगा नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं करवा पूजन के साथ हुआ। उद्घाटन अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश अखिलेश शुक्ला, जिला न्यायाधीश राकेश सनोडिया एवं दिनेश मीणा, भारत कृषक समाज के अध्यक्ष पं. मैथिलीशरण तिवारी, पूर्व विधायक संजय शर्मा, जनपद पंचायत करेली अध्यक्ष प्रतिज्ञा परिहार तथा एमआईएमटी कॉलेज के चेयरमैन इंजीनियर रुद्रेश तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। गायक कलाकार राज वर्मा और चंचल सिंह के नेतृत्व में प्रस्तुत गरबा-डांडिया ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। प्रतिभागियों को गरबा गौरव, डांडिया गौरव, नृत्य प्रतिभा, पारंपरिक वेशभूषा और उत्कृष्ट प्रस्तुति सहित विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ गरबा समूह का पुरस्कार हर्षित ओझा, सर्वश्रेष्ठ कपल गरबा सम्मान अंकित एवं पायल लूनवात तथा सर्वश्रेष्ठ सोलो गरबा पुरस्कार पुनीरा राजपूत को प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर रजनी सिंह सहित विभिन्न अधिकारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, कॉलेज स्टाफ और विद्यार्थी शामिल हुए। आधार प्रदर्शन इंजीनियर रुद्रेश तिवारी ने किया। मंच संचालन आराधना दुबे, दीक्षा केवट, वैदिका स्थापक और प्रतीक्षा राजपूत ने किया।

मेट्रो एंकर महाराणा प्रताप बस स्टैंड के पास इंदौर की टीम ने किया ट्रायल, पूरे शहर में होगा नए मटेरियल से पेचवर्क

सड़कों के गड़े भरने उतरी जर्मन तकनीक, चार घंटे बाद दौड़ सकेंगे वाहन!

मंदसौर। दोपहर मेट्रो शहर की सड़कों पर बने गड्ढों से परेशान लोगों को जल्द राहत मिल सकती है। नगर पालिका ने गड्ढों की मरम्मत के लिए जर्मनी की तकनीक पर आधारित नए मटेरियल का ट्रायल कराया है। सोमवार को इंदौर से आई टीम ने महाराणा प्रताप बस स्टैंड के पास विमल प्रिंटर्स के सामने सड़क के गड्ढे भरे। नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर और सीएमओ पीके सुमन ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत की प्रक्रिया देखी और मटेरियल के इस्तेमाल की जानकारी ली। बारिश और भारी यातायात के कारण शहर में बार-बार पेचवर्क उखड़ने की समस्या सामने आती है। ऐसे में नए मटेरियल से स्थायी समाधान मिलने की उम्मीद है। संबंधित कंपनी का दावा है कि पेचवर्क के चार घंटे बाद ही यातायात शुरू किया जा सकता है। भारी वाहनों की आवाजाही से भी मरम्मत वाला



हिस्सा नहीं उखड़ेगा। हालांकि, इसकी मजबूती और टिकाऊपन का वास्तविक आकलन कुछ दिन बाद ही हो सकेगा। नगर पालिका के अनुसार, ट्रायल के परिणाम

मंदिर के पास भीड़ की चेतावनी के बावजूद आगे बढ़ता रहा चालक, ओवरलोड ट्रक से 42 लोग घायल

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो शीतला माता मंदिर के मुख्य द्वार पर ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से 15 लोगों की मौत और 42 के घायल होने के मामले में पुलिस की एफआईआर पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि राहगीरों ने चालक दिलबाग सिंह को मंदिर के पास भीड़ होने की चेतावनी दी थी, लेकिन वह ट्रक आगे बढ़ाता रहा। ढलान पर ब्रेक फेल होने से ट्रक बेकाबू हो गया और लोगों को रौंदता चला गया। हादसे से करीब साढ़े तीन किलोमीटर पहले तोड़ा गांव में पुलिस ने स्टॉप लगाकर रास्ता बंद किया था। आरोप है कि चालक ने स्टॉप हटाकर ओवरलोड ट्रक आगे बढ़ा दिया। पुलिस ने फिलहाल भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1),



125(ए) और 281 के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं में लापरवाही से मौत, जीवन को खतरे में डालने और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप शामिल हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता पीयूष गुप्ता के अनुसार, खतरे की जानकारी होने के बावजूद लापरवाही बरतने पर गैर इरादतन हत्या की धारा लागू होने का सवाल उठता है। थाना प्रभारी आशीष

दो बाइक, तीन मोबाइल और नकदी सहित 2.10 लाख का माल जब्त धार में हथियारों का सौदा करते तीन गिरफ्तार, 10 अवैध पिस्टल-कट्टे बरामद

धार। दोपहर मेट्रो जिले में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सिंघाना चौकी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो देशी पिस्टल, 12 बोर के आठ देशी कट्टे और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। मौके से एक आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, ग्राम ब्राह्मणपुरी के बयडीपुरा में नीम के पेड़ के नीचे कुछ लोग हथियार बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी और तीन आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सुरजीत भाटिया निवासी धामनोद, वर्तमान निवासी सिंघाना तथा शादाब शाहबुद्दीन खान और शैजाद अली निवासी महिंदपुर सिटी, जिला उज्जैन शामिल हैं। पवन गुलजार भाटिया निवासी सिंघाना फरार हो गया। पुलिस ने



आरोपियों पर पहले से दर्ज हैं कई आपराधिक मामले पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी सुरजीत भाटिया के खिलाफ अवैध हथियारों की बिक्री से जुड़े चार प्रकरण दर्ज हैं। शादाब शाहबुद्दीन खान के विरुद्ध आठ और शैजाद अली के खिलाफ 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज होना बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, शैजाद अली हत्या के एक मामले में 12 वर्ष की सजा काट चुका है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर हथियारों की सप्लाई चैन और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियार कहाँ से लाए गए थे और किन लोगों को बेचे जाने थे।

हथियारों के अलावा वारदात में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन और 13,500 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 2.10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस आरोपियों से हथियारों के स्रोत और खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य लोगों

फरार आरोपी निगरानीशुदा बदमाश, आठ प्रकरण दर्ज कार्रवाई के दौरान पवन गुलजार भाटिया निवासी सिंघाना पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, वह मनावर थाने का निगरानीशुदा बदमाश है और उसके खिलाफ आठ प्रकरण दर्ज हैं। इनमें अवैध हथियारों से संबंधित मामले भी शामिल बताए गए हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर और एसडीओपी मनावर प्रदीप वाल्टर के मार्गदर्शन में की गई। टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अनुप बघेल, पुलिसकर्मी और साइबर सेल के कर्मचारी शामिल रहे।

पारले-जी फैक्ट्री में आग, धमाके के साथ उड़ा गोदाम का शेड, एक हजार टन माल खाक बिस्किट, पैकेजिंग सामग्री और खाद्य तेल होने से तेजी से भड़की आग

जबलपुर। दोपहर मेट्रो पारले-जी बिस्किट फैक्ट्री में लगी आग ने भारी नुकसान पहुंचाया। फैक्ट्री के जिस हिस्से में आग लगी, वहां तैयार बिस्किट, पैकेजिंग सामग्री और अन्य सामान सहित करीब एक हजार टन माल रखा हुआ था। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि गोदाम का शेड धमाके के साथ उड़ गया। अचानक हुए धमाके की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग दहल गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोदाम में बिस्किट बनाने के लिए बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री, पैकेजिंग मटेरियल और खाद्य तेल सहित अन्य ज्वलनशील पदार्थ रखे थे। मशीनों और तेल की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैल गई। हालांकि, गनीमत रही कि सोमवार को फैक्ट्री में छुट्टी होने के कारण कर्मचारियों की संख्या



कम थी। घटना के समय वहां केवल 12 से 15 कर्मचारी मौजूद थे। आग में बिस्किट बनाने के लिए बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री, पैकेजिंग मटेरियल और खाद्य तेल सहित अन्य ज्वलनशील पदार्थ रखे थे। मशीनों और तेल की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैल गई। हालांकि, गनीमत रही कि सोमवार को फैक्ट्री में छुट्टी होने के कारण कर्मचारियों की संख्या

सतना के सुरदहा घाट पर ऑटो पलटा 14 घायलों में चार गंभीर



सतना। दोपहर मेट्रो जिले के परसमनिया क्षेत्र स्थित सुरदहा घाट पर सोमवार को एक ऑटो पलटने से 14 लोग घायल हो गए। हादसे में चार लोगों की हालत गंभीर होने के चलते गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही प्रशासन के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। जानकारी के अनुसार, सुरदहा घाट पर ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के कारण उसमें सवार लोग घायल हो गए। घटना

की सूचना मिलते ही स्थानीय स्तर पर घायलों की मदद की और उन्हें उपचार के लिए नगौद सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में चार की हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं, दो घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

गरबा की गूंज में रिटायर्ड फौजी की फायरिंग में युवक घायल

इंदौर की कृष्णा बाग कॉलोनी में रास्ते पर कुर्सियां लगाने को लेकर हुआ विवाद, लाइसेंसी रिवाँल्वर से दो-तीन राउंड फायर करने का आरोप इंदौर। दोपहर मेट्रो गरबा आयोजन के दौरान रास्ते से निकलने को लेकर शुरू हुआ विवाद मंगलवार रात गोलीबारी तक पहुंच गया। एमआईजी थाना क्षेत्र की कृष्णा बाग कॉलोनी में एक रिटायर्ड आर्मी कर्मी ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी रिवाँल्वर से दो से तीन राउंड फायर कर दिए। इसमें रक्षित नाम का युवक घायल हो गया। गोली उसके पेट में लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना से कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के मुताबिक, रात करीब सवा 10 बजे कॉलोनी में गरबा आयोजन चल रहा था। गली के रास्ते में महिलाएं और बच्चे कुर्सियां लगाकर बैठे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे केशव का रास्ते को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में गाली-गलौज और मारपीट होने लगी। आरोप है कि केशव ने अपने पिता नीरज को विवाद की जानकारी दी। इसके बाद नीरज लाइसेंसी रिवाँल्वर लेकर मौके पर पहुंचा और फायरिंग कर दी। इस दौरान रक्षित को गोली लग गई। एमआईजी पुलिस ने नीरज और केशव को हिरासत में लिया है। पुलिस ने नीरज के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

एशियन पैरा गेम्स में भारत का धमाकेदार आगाज

पहले ही दिन 11 पदक, शीतल-तोमन ने रचा विश्व रिकॉर्ड, निशानेबाजी में मोना को गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही दिन अपनी प्रतिभा का दम दिखाते हुए पदकों की झड़ी लगा दी। भारत ने चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। निशानेबाजी, तीरंदाजी, पैरा एथलेटिक्स, तैराकी और पैरा जूडो में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमन कुमार ने विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा, वहीं निशानेबाजी में मोना अग्रवाल और पैरा एथलेटिक्स में निषाद कुमार ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारत के पदक अभियान की शुरुआत निशानेबाजी में शानदार रही। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में मोना अग्रवाल ने 250 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। पैरालंपिक चैंपियन अर्विन लेखरा 249.6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही और उन्हें रजत पदक मिला। दक्षिण कोरिया की यूनरी ली ने कांस्य पदक जीता। मोना ने फाइनल में पिछड़ने के बाद जबर्दस्त वापसी करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया और एशियन पैरा गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, अर्विन ने रजत पदक जीतने के साथ लॉस एंजेलिस पैरालंपिक 2028 के लिए कोटा स्थान भी हासिल किया।



व्यक्तिगत स्पर्धा में शीतल का शानदार प्रदर्शन

तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमन कुमार ने कंपाउंड मिश्रित टीम के रैंकिंग दौर में 1402 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दोनों ने 1400 अंकों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। दिलचस्प बात यह है कि पिछला विश्व रिकॉर्ड भी शीतल देवी और राकेश कुमार की जोड़ी के नाम था। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी शीतल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने महिला कंपाउंड रैंकिंग दौर में 704 अंक हासिल कर एशियाई रिकॉर्ड बनाया और संयुक्त विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। वहीं, तोमन कुमार ने पुरुष वर्ग में 698 अंक जुटाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शीतल महिला वर्ग में पहले और तोमन पुरुष वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे।

निषाद कुमार ने लंबी कूद में जीता सोना

पैरा एथलेटिक्स में निषाद कुमार ने पुरुषों की टी47 लंबी कूद स्पर्धा में 7.11 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। ऊंची कूद में अपनी पहचान बनाने वाले निषाद ने लंबी कूद में पदार्पण करते हुए भी शानदार प्रदर्शन किया। उज्बेकिस्तान के ओमादबेक खसानोव 6.99 मीटर के साथ दूसरे और श्रीलंका के मोहम्मद सफरान 6.55 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अब निषाद की नजर ऊंची कूद स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव करने पर होगी। महिला 1500 मीटर टी12/टी13 स्पर्धा में सीम्या ने 5 मिनट 12.39 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि राधा वैकटेश ने 5 मिनट 30.90 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने गइड के साथ शानदार तालमेल दिखाया।

पहले दिन के प्रदर्शन से बढ़ी पदक की उम्मीदें

एशियन पैरा गेम्स के पहले दिन भारत ने चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदकों के साथ शानदार शुरुआत की। विश्व रिकॉर्ड, व्यक्तिगत उपलब्धियों और विभिन्न खेलों में मिली सफलता ने भारतीय दल का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

वैभव सूर्यवंशी के बाद बिहार के अनमोल का धमाका!

86 गेंदों में ठोक डाले 184 रन, सहवाग और द्रविड़ के बेटों ने भी मचाया तहलका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय घरेलू क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों का जलवा लगातार बढ़ रहा है। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब बिहार के युवा बल्लेबाज अनमोल कुमार ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। विनू मांकड़ ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ अनमोल ने महज 86 गेंदों में 184 रनों की तूफानी पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी का अंदाज देखकर मैदान पर चौकों और छकों की बरसात हो गई। इस बीच महान बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटों ने भी अपनी शानदार पारियों से सुर्खियां बटोरी हैं। बिहार के पटना से आने वाले अनमोल कुमार ने हरियाणा के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। उन्होंने अपनी पारी में 18 गगनचुंबी छक्के और 11 शानदार चौके लगाए। महज 86 गेंदों में 184 रन बनाकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।



अनमोल की इस पारी की बदौलत बिहार की टीम ने 46.1 ओवर में 325 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। उनके आक्रामक खेल ने मुकाबले में बिहार की स्थिति मजबूत कर दी और टीम को जीत की राह दिखाई।

बिहार ने 18 रन से जीता मुकाबला

325 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम ने भी संघर्ष किया, लेकिन वह 288 रन तक ही पहुंच सकी। वर्षा या अन्य कारणों से प्रभावित मुकाबले में वीजेडी पद्धति के आधार पर बिहार ने 18 रनों से जीत दर्ज की। अनमोल की इस पारी के बाद उनकी तुलना युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के आक्रामक अंदाज से की जा रही है। लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे

द्रविड़ के बेटे अन्वय ने भी जड़ा शतक

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ ने भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने कर्नाटक की ओर से खेलते हुए 100 गेंदों में 151 रन बनाए। उनकी इस पारी ने युवा खिलाड़ियों के बीच बल्लेबाजी की बढ़ती प्रतिस्पर्धा को उजागर किया।

युवा प्रतिभाओं से भारतीय क्रिकेट को नई उम्मीद

अनमोल कुमार, आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ की पारियों ने घरेलू क्रिकेट में युवा प्रतिभाओं की ताकत दिखाई है। हालांकि, बड़े स्तर पर पहचान बनाने के लिए इन खिलाड़ियों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यदि इनका शानदार फॉर्म जारी रहता है, तो आने वाले वर्षों में ये भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

‘दो-तीन बच्चे नहीं हुए तो घरवालों की नजर में जीरो हूँ’, कनिका का खुलासा



मुंबई। अभिनेत्री कनिका मान इन दिनों रियलिटी शो ‘बिग बॉस-20’ में अपने अंदाज से दर्शकों का ध्यान खींच रही हैं। शो के एक एपिसोड में अभिनेता आसिफ खान के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने परिवार की सोच और मां बनने को लेकर पढ़ने वाले दबाव पर खुलकर बात की। कनिका ने मजाकिया अंदाज में बताया कि उनके परिवार वाले उन्हें तब तक ‘जीरो’ मानते हैं, जब तक वह दो-तीन बच्चों को जन्म नहीं दे देतीं। उनकी इस टिप्पणी ने परिवार और समाज की अपेक्षाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

‘दो-तीन बच्चे नहीं हुए, तो मैं जीरो हूँ’- कनिका मान ने बातचीत के दौरान कहा, ‘मेरे घरवाले मुझे जीरो गिनते हैं, जब तक मैं उन्हें दो-तीन बच्चे नहीं दे दूंगी, तब तक मैं जीरो ही हूँ।’ अभिनेत्री ने यह बात हंसेते हुए कही, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह भी सामने आया कि परिवार की ओर से शादी और मातृत्व को लेकर किस तरह की अपेक्षाएं रखी जाती हैं। महिलाओं की पहचान को मां बनने से जोड़कर देखने वाली सोच अक्सर उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन पर दबाव पैदा कर सकती है।

आसिफ खान ने भी सुनाई अपनी मां की कहानी- कनिका की बात सुनकर आसिफ खान ने भी अपने परिवार से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि उनकी मां भी अक्सर उनसे बच्चा होने की खुशखबरी सुनने की उम्मीद करती हैं। पहले उनकी मां सीधे अपनी इच्छा जाहिर करती थीं, लेकिन अब वह इशारों में अपनी बात कहती हैं। आसिफ के मुताबिक, उनकी मां कई बार उनकी दूसरी उपलब्धियों के बजाय इस बात पर अधिक ध्यान देती हैं कि वह कब पिता बनेंगे।

उमराह की खुशखबरी सुनकर मां ने समझा कुछ और

आसिफ ने बताया कि एक बार उन्होंने परिवार के साथ उमराह जाने के लिए टिकट बुक किए थे। वह इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित थे। उन्होंने अपनी मां से कहा कि उनके पास एक अच्छी खबर है। यह सुनते ही उनकी मां को लगा कि वह पिता बनने वाले हैं। हालांकि, जब आसिफ ने बताया कि वे उमराह जाने वाले हैं, तो उनकी मां की प्रतिक्रिया बदल गई। आसिफ ने बताया कि उनकी मां ने कहा, ‘फ्रस्ट्रेड लगा तीसरे दिन वाली खुशखबरी दोगे।’ 15 इस पर उन्होंने मजाक में जवाब दिया, ‘फ्रममी, इसके अलावा भी कुछ सोच लिया करो।’ बच्चों के अलावा भी दुनिया में बहुत कुछ है।

माही विज ने रिश्तों पर तोड़ी चुप्पी, कहा- हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हूँ



लगातार मजाक उड़ाने पर माही मुक्कुराती और शर्माती नजर आईं। उन्होंने पूछा कि उसके पास कितने विकल्प हैं, यह इशारा करते हुए कि उसकी प्रतिक्रिया से शायद यह पता चलता है कि उसकी जिंदगी में कोई ख़ास है या उसे किसी का ध्यान मिल रहा है, हालांकि माही ने किसी में दिलचस्पी होने की बात स्वीकार नहीं की। उर्वित उस समय उनके आसपास ही थी। उन्होंने कहा कि शायद उसका ख़ास इंसान यह शो देख रहा है।

माही और टेलीविजन अभिनेता

बिग बॉस-20 के साथी प्रतियोगी काजी तौकीर ने जब एक्स्ट्रेस माही विज से उनकी प्रेम कहानी के बारे में मजाकिया अंदाज में पूछा कि क्या कोई उनसे संपर्क कर सकता है तो माही विज शर्मा गईं। काजी ने माही से पूछा कि क्या कोई भी उनसे संपर्क कर सकता है। जवाब में, अभिनेत्री ने कहा, ‘नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता। मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूँ।’

इसके बाद काजी ने माही से और जानकारी लेने की कोशिश की, यह जताते हुए कि शायद वह कुछ चुनिंदा लोगों में ही दिलचस्पी रखती हो। उन्होंने माही को तीन-चार लोगों को चुनने पर चिढ़ाया और पूछा कि क्या कोई उसे शादी का प्रस्ताव दे सकता है। काजी के



न्यूजीलैंड पहुंचते ही छार वैभव, महिला प्रशंसक भी नहीं रोक पाई खुद को

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों में दमखम दिखाने के लिए भारतीय टीम क्राइस्टचर्च पहुंच चुकी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज के बाद भारतीय खिलाड़ी सीधे न्यूजीलैंड के लिए रवाना हुए थे। टीम इंडिया के इस दौर को लेकर प्रशंसकों में ख़ासा उत्साह है। हालांकि, न्यूजीलैंड पहुंचते ही सबसे ज्यादा चर्चा युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की हो रही है, जिन्होंने अपने चंचल अंदाज और चेहरे पर खिली मुस्कान से सभी का ध्यान खींच लिया।

एयरपोर्ट पर वैभव सूर्यवंशी ने लूटी महफिल- सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने भारतीय टीम के एयरपोर्ट पर पहुंचने का एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वैभव सूर्यवंशी का उत्साहित अंदाज देखने को मिला। उनके चेहरे की खुशी और चंचल व्यवहार को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो में भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक गौतम गंभीर और करीब चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार भी नजर आए।



संजय बांगड़ की बेटी अनाया के जवाब ने खींचा ध्यान

अभिषेक शर्मा से शादी, शुभमन गिल के साथ डेट और श्रेयस अय्यर को रखा तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। अपने फैशन सेंस और खुलकर अपनी बात रखने के लिए पहचानी जाने वाली अनाया का एक साक्षात्कार इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें उनसे भारतीय क्रिकेट के तीन चर्चित खिलाड़ियों शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और श्रेयस अय्यर को लेकर एक दिलचस्प सवाल पूछा गया। अनाया ने बिना झिझक इसका जवाब दिया, जिसके बाद उनके बयान को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गईं।

रैपिड फायर में तीन क्रिकेटरों के नाम

एक यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान अनाया बांगड़ रैपिड फायर राउंड में शामिल हुईं। इस दौरान उन्हें शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और श्रेयस अय्यर के नाम दिए गए। उनसे पूछा गया कि इन तीनों में वह किससे शादी करना चाहेंगी, किसके साथ डेट पर जाना पसंद करेंगी और किसे इस काल्पनिक सवाल के तहत चुनने से इनकार करेंगी। यह सवाल मनोरंजन के अंदाज में पूछा गया था। अनाया ने जवाब देते हुए अभिषेक शर्मा को शादी के लिए चुना। वहीं, शुभमन गिल के साथ डेट करने की इच्छा जताई और श्रेयस अय्यर को तीसरी श्रेणी में रखा।

भारत पहली बार करेगा लीगल मेट्रोलॉजी सम्मेलन की मेजबानी



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारत पहली बार 26 से 28 अक्टूबर तक नई दिल्ली में इंटरनेशनल कमेटी ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (सीआईएमएल) की 61वीं बैठक में मेजबानी करेगा। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। उपभोक्ता मामले विभाग और इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (ओआईएमएल) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस बैठक में दुनिया भर से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और लीगल मेट्रोलॉजी विशेषज्ञों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें ओआईएमएल सदस्य देशों, संवाददाता सदस्य देशों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा है कि पहली बार इस बैठक की मेजबानी करना अंतरराष्ट्रीय सहयोग, मापन मानकों के सामंजस्य, निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देने और उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। इस सम्मेलन के तहत 26 अक्टूबर को %इवोल्यूशंस इन लीगल मेट्रोलॉजी% विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न देशों के विशेषज्ञ आधुनिक लीगल मेट्रोलॉजी प्रणालियों के आधुनिकीकरण से जुड़े अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करेंगे। इसके अलावा, 27 अक्टूबर को ओआईएमएल स्ट्रेटजी वर्कशॉप आयोजित होगी, जहां सदस्य देशों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को संगठन की भविष्य की रणनीतिक दिशा और प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श का अवसर मिलेगा।

एलन मस्क का बड़ा ऐलान, अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को मिलेगा स्पेसएक्स का एक शेयर

नई दिल्ली। दुनिया के चर्चित अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने एक ऐसी घोषणा की है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। मस्क ने कहा है कि वह अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को अपनी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर देंगे। उन्होंने सामाजिक माध्यम ‘एक्स’ पर एक पोस्ट के जरिए इस योजना की जानकारी दी और इसे अपनी तरह की पहली पहल बताया। हालांकि, उन्होंने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि इस योजना को किस तरह लागू किया जाएगा और इसके लिए कौन पात्र होगा।

एलन मस्क ने अपनी पोस्ट में लिखा, ‘अगले साल, मैं अमेरिका के हर बच्चे को अपने स्पेसएक्स का एक शेयर दूंगा। यह अपने प्रकार की पहली पहल होगी।’ मस्क की इस घोषणा के बाद योजना के संभावित दायरे और इसके वित्तीय प्रभाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका में बच्चों की उम्र संबंधी पात्रता क्या होगी और शेयर वितरण

की प्रक्रिया किस माध्यम से पूरी की जाएगी। नियामकीय दस्तावेजों के अनुसार, 30 जून तक स्पेसएक्स में मस्क की हिस्सेदारी 48.4 प्रतिशत थी। दस्तावेजों में उनके पास लगभग 6.42 अरब शेयर होने की जानकारी दी गई है। उनकी हिस्सेदारी में क्लास ए और क्लास बी शेयर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उनके पास प्रतिबंधित क्लास बी शेयर और शेयर खरीदने से जुड़े विकल्प भी हैं। हालांकि, इन आंकड़ों के आधार पर प्रस्तावित योजना में वितरित किए जाने वाले शेयरों की संख्या या कुल लागत का अनुमान लगाना अभी संभव नहीं है। मस्क ने अपनी घोषणा में यह नहीं बताया कि शेयर सीधे बच्चों को दिए जाएंगे या किसी न्यास के माध्यम से उनका वितरण होगा। पात्रता, समयसीमा और आवश्यक नियामकीय मंजूरीयों से जुड़े सवालों पर भी अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में इस घोषणा को फिलहाल प्रस्तावित योजना के रूप में ही देखा जा रहा है।

‘हम मैक्सिको नहीं, अमेरिका हैं’

ट्रंप ने दोहराई न्यू मैसिको का नाम बदलने की मांग, कहा- बड़ेगी प्रतिष्ठा

वॉशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यू मैक्सिको राज्य का नाम बदलकर ‘न्यू अमेरिका’ करने की मांग फिर दोहराई है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य का नाम तुरंत बदला जाना चाहिए। ट्रंप का दावा है कि इससे राज्य की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और लोगों की संपत्ति तथा आय में भी इजाफा होगा। ट्रंप ने लिखा, ‘न्यू मैक्सिको का नाम तुरंत बदलकर न्यू अमेरिका कर देना चाहिए। हम मैक्सिको नहीं हैं, हम अमेरिका हैं!’ इससे पहले सितंबर में भी ट्रंप ने राज्य का नाम बदलने का सुझाव दिया था। उस समय उन्होंने एक संपादित नक्शा साझा किया था, जिसमें ‘मैक्सिको’ शब्द को काटकर उसकी जगह ‘अमेरिका’ लिखा गया था। सितंबर की शुरुआत में उन्होंने पहली बार राज्य का नाम ‘न्यू अमेरिका’ रखने का विचार सामने रखा था।



महासागरों के नाम बदलने का भी दिया सुझाव

ट्रंप ने हाल ही में टेनेसी के क्लार्क्सविले में एक भाषण के दौरान अमेरिका के दोनों ओर स्थित अटलांटिक और प्रशांत महासागर में से किसी एक का नाम बदलने का सुझाव भी दिया था। उन्होंने इनके लिए ‘ट्रंप ओशन’ या ‘ओशन ऑफ द अमेरिकाज’ नामों का जिक्र किया था।

भौगोलिक नाम बदलने की मुहिम का हिस्सा

न्यू मैक्सिको का नाम बदलने का प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन की भौगोलिक स्थानों के नाम बदलने की व्यापक पहल का हिस्सा है। राष्ट्रपति पद पर लौटने के बाद ट्रंप ने ऐसे कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें संघीय एजेंसियों को ‘गल्फ ऑफ मैक्सिको’ के बजाय ‘गल्फ ऑफ अमेरिका’ और लेक ओंटेरियो के लिए ‘लेक अमेरिका’ नाम का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया। 20 जनवरी 2025 को अपने दूसरे शपथ ग्रहण के दिन ट्रंप ने कार्यकारी आदेश 14172 पर हस्ताक्षर किए थे। इसका शीर्षक था ‘अमेरिकी महानता का सम्मान करने वाले नामों की बहाली’। इस आदेश के तहत संघीय एजेंसियों को गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम ‘गल्फ ऑफ अमेरिका’ और उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी डेनाली का नाम फिर से ‘माउंट मैकिनले’ इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया। डेनाली का संघीय नाम 1917 से 2015 तक माउंट मैकिनले था। ट्रंप ने आदेश में कहा था कि 1917 में देश ने उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी का नाम रखकर राष्ट्रपति विलियम मैकिनले का सम्मान किया था। उनके मुताबिक, 2015 में बराक ओबामा प्रशासन ने संघीय नामकरण से मैकिनले का नाम हटाकर उनके जीवन, उपलब्धियों और बलिदान का अपमान किया। आदेश में कहा गया कि नया नाम मैकिनले की ऐतिहासिक विरासत और अमेरिकी हितों की रक्षा में उनकी भूमिका का सम्मान करता है। गल्फ ऑफ अमेरिका के नामकरण को लेकर ट्रंप ने कहा था कि यह क्षेत्र अमेरिका के शुरुआती व्यापार और वैश्विक वाणिज्य के लिए महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से अहम बताया था।

नाम बदलने के लिए संवैधानिक प्रक्रिया जरूरी

अमेरिका की संवैधानिक व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति किसी राज्य का नाम एकतरफा नहीं बदल सकते। न्यू मैक्सिको का नाम बदलने के लिए राज्य के संविधान में संशोधन करना होगा। इसके लिए राज्य की विधायिका और मतदाताओं की मंजूरी जरूरी होगी। राज्य के अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं ने ट्रंप के प्रस्ताव को खारिज किया है। डेमोक्रेटिक गवर्नर मिशेल

लुजान गिशम ने इस विचार को नकारते हुए कहा कि आधुनिक देश मैक्सिको के अस्तित्व में आने से कई सदियों पहले ही इस क्षेत्र का नाम ‘नुएवो मैक्सिको’ था। रिपब्लिकन पार्टी के गवर्नर पद के उम्मीदवार ग्रेग हल ने भी कहा कि राज्य का नाम और उसकी सांस्कृतिक विरासत बातचीत या सौदेबाजी का विषय नहीं है।

न्यूज विंडो

इलाज के बहाने नशीली दवा पिलाकर लूट ली 14 साल की लड़की की इज्जत कांकेर (रायपुर)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में इलाज के बहाने 14 वर्षीय नाबालिग के साथ यौन शोषण करने वाले झाड़फूंक करने वाले झोलाछाप वैद्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ताड़ोकी थाना क्षेत्र के आमागांव निवासी 44 वर्षीय आरोपी रमेश कुमार पिस्टा ने इलाज का झांसा देकर किशोरी को नशीली दवा दी और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के पांच महीने की गर्भवती होने की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 15 अप्रैल को 14 साल की नाबालिग की तबीयत खराब होने पर उसके परिजन उसे इलाज के लिए आमागांव के झोलाछाप वैद्य रमेश कुमार पिस्टा के पास ले गए थे। आरोपी ने जांच करने का बहाना बनाकर परिजनों को बताया कि बच्ची की बच्चेदानी में गंभीर परेशानी है।

झोटा हत्याकांड की जांच सीबीआई के हवाले: सीएम ने मानी परिवार की मांग चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मानसा में मारे गए नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर झोटा के मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का एलान किया है। यह फैसला परिवार की मांग पर लिया गया है। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि वे नशे के खिलाफ लड़ रहे परविंदर सिंह झोटा के पिता और उनके परिवार के साथ हैं। उन्होंने परिवार की मांग को स्वीकार किया है। मान ने जोर देकर कहा कि नशे के सौदागरों के खिलाफ उनकी लड़ाई आर-पार की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजाब को नशा-मुक्त करने के लिए सरकार सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज पंजाब आ रहे हैं। वे बटाला, संगरूर और मानसा में नशा पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। शाह के दौर से कुछ घंटे पहले केस को सीबीआई को सौंपने का एलान किया गया है।

छह महीने की बच्ची को दो बार फर्श पर पटका, हालत गंभीर, पिता गिरफ्तार रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते एक पिता ने अपनी ही छह माह की मासूम बेटी को दो बार फर्श पर पटक दिया। इस सनसनीखेज घटना में गंभीर रूप से घायल मासूम को इलाज के लिए रायपुर स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। मासूम बच्ची के सिर और शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा है, जहां वह जिंदगी की जंग लड़ रही है। घटना की शिकायत मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह वारदात बीएसयूपी कॉलोनी में हुई। बच्ची की मां समता कॉलोनी स्थित अपने मायके से छह माह की बेटी हिमानी को लेकर घर वापस लौटी थी। जब बच्ची का पिता घर पहुंचा, तो पत्नी के मायके जाने की बात को लेकर दोनों के बीच कहसुनी शुरू हो गई।



बडगाम में साजिश नाकाम: सघन तलाशी के बाद जंगल में दहशतगर्दों का ठिकाना ध्वस्त



श्रीनगर। एजेंसी

मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के खाग इलाके में सुरक्षाबलों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। शुपलिन वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने एक प्राकृतिक गुफा में बनाए आतंकी ठिकाने को ध्वस्त किया। यहां राशन, कंबल, बर्तन और अन्य जरूरी सामान बरामद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, इस ठिकाने का इस्तेमाल आतंकियों के छिपने और लंबे समय तक रहने के लिए

किया जा सकता था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इलाके में संदिग्ध गतिविधियों और प्राकृतिक गुफा को ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किए जाने की खुफिया सूचना मिली थी। इसके आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने शुपलिन खाग के जंगलों में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। सघन तलाशी के दौरान एक प्राकृतिक गुफा का पता चला। जांच में वहां आतंकियों के लिए बनाए गए गुप्त ठिकाने के संकेत मिले। ठिकाने को नष्ट करने के बाद सुरक्षाबलों ने आसपास के पूरे वन क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है और यह सुनिश्चित करने के लिए सघन तलाशी जारी रखी है कि इलाके में कोई अन्य गुप्त ठिकाना न मौजूद हो। गुफा से रहने और खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया गया। इसमें एक गैस चूल्हा, एक कालीन, तीन कंबल, दो पतिले, दो थालियां, पांच लीटर का एक वाटर जग और एक बीपीपी शामिल है।

सड़क हादसे में दो सैन्य ट्रकों समेत तीन वाहन पलटे, चार जवान घायल

सांगला (किन्नौर)। एजेंसी

किन्नौर जिले में नेशनल हाईवे-505 पर सोमवार दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। मिलिंग के पास लिटीधार में सेना के दो ट्रकों और एक सिविल ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में सेना के चार जवान घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों वाहन सड़क पर पलट गए और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। सेना के दोनों ट्रक सीमा क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लिटीधार के पास उनकी एक सिविल ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे के बाद घायल चारों जवानों को चांगों के नजदीकी अस्पताल



पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। वहीं, सिविल ट्रक का चालक सुरक्षित बताया जा रहा है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। राहत कार्य के दौरान घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। पुलिस और प्रशासन की टीम ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे से संबंधित जानकारी भी जुटाई।

पंडाल में कोबरा सांप दिखाना पड़ा भारी, पिता-पुत्र की मौत

लखनऊ। एजेंसी

बाराबंकी जिले के सतरिख थाना क्षेत्र के मुनक्की पुरवा गांव में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। ईंट-भट्टे पर मजदूरी करने वाले पिता-पुत्र की कोबरा सांप के डसने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुनक्की पुरवा गांव के रहने वाले महेश (60) और उनका 22 वर्षीय पुत्र सोमवार को छत्रपालन गांव स्थित एक ईंट-भट्टे पर मजदूरी कर रहे थे। शाम करीब चार बजे भट्टे के पास एक कोबरा सांप निकल आया, जिसे पिता-पुत्र ने पकड़ लिया। इसके बाद दोनों जयपुर थाना क्षेत्र के जरहरा गांव में माता रानी के पंडाल में चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुंच गए। आरोप है कि वे वहां मौजूद भीड़ को वह सांप दिखाने लगे। इसी दौरान सांप ने पहले पुत्र को डस लिया और जब पिता महेश ने उसे बचाने की कोशिश की, तो सांप ने उन्हें भी काट लिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन दोनों को तुरंत जिला अस्पताल, बाराबंकी लेकर पहुंचे।

मेट्रो एंकर आरएसएस प्रमुख बोलें- इस दर्दनाक हादसे के लिए भीड़ और लापरवाही जिम्मेदार कोलकाता के चोरबागान हादसे की जांच अब सीआईडी करेगी



दोपहर मेट्रो
फॉलोअप
अन्य विवादा

कोलकाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने चोरबागान में हुए दर्दनाक हादसे के लिए अत्यधिक भीड़ और गंभीर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए प्रकृति को दोष नहीं दिया जा सकता। आयोजकों और प्रशासन की ओर से भीड़ प्रबंधन में विफलता के कारण ऐसी भयावह घटना हुई। अचानक हुई बारिश को हादसे का कारण बताना उचित नहीं है।

इधर, पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता

के विरासत उत्सव के दौरान हुए हादसे की जांच अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी है। सीआईडी के एडीसीपी कुणाल अग्रवाल ने कहा कि घटना के प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। इस मामले में उपाध्यक्ष, सचिव और एक होमगार्ड सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने पंडाल के भीतर मोबाइल फोन के इस्तेमाल और किसी भी तरह की फोटोग्राफी पर सख्ती से रोक लगा दी है। जांच के दौरान पंडाल के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जब्त की गई है। हालांकि, लगभग 200 सीसीटीवी फुटेज में से अब तक केवल 30 ही बरामद हो पाए हैं। बाकी फुटेज हासिल करने और उनकी जांच करने की प्रक्रिया जारी है। जांच दल आयोजन

स्थल से संबंधित सभी दस्तावेजों की पड़ताल कर रहा है। इसमें दो मंजिला पंडाल के निर्माण और आयोजन क्षेत्र के नक्शे सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेख शामिल हैं। हादसे के दिन वहां तैनात सभी कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों को जांच के दायरे में रखा गया है। जांच एजेंसी उस व्यक्ति की भी पहचान करने का प्रयास कर रही है, जिसने कथित तौर पर ऐसी घोषणा की थी, जिससे भीड़ में भय और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हुआ। आशंका है कि इस घोषणा के बाद लोगों में भागदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई और बड़े पैमाने पर लोग इसकी चपेट में आ गए। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घोषणा किसने की, उसके पीछे क्या परिस्थितियां थीं और हादसे को रोकने के लिए मौके पर क्या इंतजाम किए गए थे।

पंडाल के थीम निर्माता ने बताया दुख

इस बीच, चोरबागान के उस पंडाल के थीम निर्माता सुशांत शिवानी पॉल ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने पंडाल के भीतर पर्याप्त रोशनी नहीं होने के आरोपों से इनकार किया। उनका कहना है कि इस वर्ष चोरबागान का आयोजन सोशल मीडिया पर काफी चर्चित रहा था। इसकी लोकप्रियता के कारण कोलकाता के बाहर से, यहां तक कि दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग उत्सव देखने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना से सबक लेने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह की त्रासदी दोबारा न हो। आयोजन की लोकप्रियता और बड़ी संख्या में उमड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, प्रवेश-निकास व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम किए जाने चाहिए थे।

221 राष्ट्रपति, पीएम मोदी होंगे शामिल फीट ऊंचे रावण के पुतले का द्वारका में होगा दहन



नई दिल्ली। एजेंसी

विजयादशमी पर इस बार दिल्ली की रामलीलाओं में राम-रावण युद्ध और रावण दहन के साथ देश की राजनीति के कई बड़े चेहरे भी नजर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारका सेक्टर-10 में द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित दशहरा समारोह में शामिल होंगी। यहां रामलीला के समापन पर 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया

जाएगा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित आईपी एक्सपोज़ेशन रामलीला समिति के दशहरा समारोह में पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में यहां नकली दवाइयों के कारोबार का पुतला जलाया जाएगा। लालकिला मैदान में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और नवश्री धार्मिक लीला कमेटी के दशहरा समारोह में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी शामिल होंगे।

देहरादून: कंकाल से खुलेगा मौत का राज, कपड़ों से हुई युवक की पहचान

देहरादून। एजेंसी

किमाड़ी से आगे जंगल में मिले कंकाल की पहचान की पुष्टि के लिए पुलिस ने डीएनए जांच का सहारा लिया है। फॉरेंसिक लैब में सैंपल भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कंकाल तीन माह से लापता आजाद कॉलोनी निवासी मोहम्मद सारिक का है या नहीं। पुलिस इस मामले में मौत की परिस्थितियों और स्वजनों की ओर से लगाए गए हत्या के आरोपों की भी जांच कर रही है। 22 वर्षीय मोहम्मद सारिक 17 जुलाई की रात घर से लापता हो गया था। वह ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी से रीडियथेरेपी टेक्नोलॉजी में स्नातक कर रहा था। उसके अचानक लापता होने पर



स्वजनों ने 18 जुलाई को पटेलनगर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला तो पुलिस ने मामले को अपहरण की प्राथमिकी में तरमीम कर दिया था। हाल ही में किमाड़ी से आगे करीब सात किलोमीटर जंगल के भीतर एक कंकाल मिला। मौके से मिले कपड़ों के आधार पर स्वजनों ने उसकी पहचान सारिक के रूप में की। सीओ सदर अंकित कंडारी ने बताया कि पहचान की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए डीएनए जांच जरूरी है।